हिंदी

कैसे पढ़ाएँ ?

कक्षा 5

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

छत्तीसगढ़ के राजकीय प्रतीक

राजकीय पशु – वन भैंसा

राजकीय पक्षी – पहाड़ी मैना

राजकीय वृक्ष – साल वृक्ष

राजकीय पुष्प – गेंदा

राजकीय नृत्य – करमा लोक नृत्य

प्राथमिक कक्षाओं के शिक्षकों के लिए पैडागॉजी आधारित

शिक्षक संदर्शिका

हिंदी कैसे पढ़ाएँ ?

कक्षा – पाँचवी

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छत्तीसगढ़, रायपुर

प्रकाशन वर्ष: 2022

मार्गदर्शन

राजेश सिंह राणा भा.प्र.से.
संचालक
एस.सी.ई.आर.टी.,छ.ग., रायपुर

डॉ. योगेश शिवहरे
अतिरिक्त संचालक
एस.सी.ई.आर.टी.,छ.ग., रायपुर

समन्वयक

श्रीमती विद्या डांगे

संपादन

श्रीमती विद्या डांगे, डॉ. नीलम अरोरा

विशेष सहयोग

डॉ. विद्यावती चंद्राकर

सहयोग

श्री गणेश तिवारी, श्री सुनील मिश्रा

लेखन समूह

सुश्री पुष्पा शुक्ला, श्रीमती गोमती ठाकुर, हेमलता नायक, श्रीमती उषा शर्मा, श्रीमती अनिता ताम्रकार, कविता कोरी, श्रीमती हीरमती भारद्वाज, श्रीमती नंदिनी राजपूत, श्रीमती उषा वर्मा, श्री द्रोण साहू, श्रीमती विनीता गुप्ता, लक्ष्मी सोनी, श्रीमती योगेश्वरी, श्री खोजन दास डिंडोरे, श्रीमती अंजनी मंडावी, श्री मिलिन्द चंद्रा, श्री रूद्र नारायण बघेल, श्रीमती सूरजकांति, श्री योगेश कुमार निर्मलकर, श्रीमती भावना सिंह, अंकेश्वर प्रसाद महिपाल, श्रीमती पारेश्वरी अमादिया, श्रीमती सुभद्रा जगत, श्री सत्यपाल जायसवाल, श्री चन्द्रहास राठौर, श्रीमती कामेश्वरी कश्यप, श्रीमती प्रेरणा कश्यप, श्रीमती शकुन्तला देवांगन, श्रीमती वसुंधरा कुर्रे, संतोष कुमार तारक, शिशुपाल साहू

क्षेत्र परीक्षणकर्ता

श्री योगेश कुमार निर्मलकर, श्रीमती भावना सिंह, श्रीमती कामेश्वरी, श्रीमती पारेश्वरी अमादिया, श्रीमती अनिता ताम्रकार, श्रीमती बेला यादव, श्रीमती प्रेरणा कश्यप, श्रीमती शकुन्तला देवांगन

टायपिंग एवं डिजायनिंग

श्री कुन्दन लाल साहू

आवरण पृष्ठ

श्री सुधीर कुमार वैष्णव

आमुख

यह संदर्शिका भाषा पाठ्यपुस्तक की पूरक है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में भाषायी कौशलों को समझने की प्रवृत्ति में वृद्धि करना है। इस संदर्शिका में उपलब्ध संसाधनों, संस्कृति, वातावरणीय संसाधनों पर आधारित गतिविधियों का चयन किया गया है, इनमें विभिन्न भाषायी कौशलों के विकास के लिए भाषा का एकीकृत दृष्टिकोण है। यह शिक्षकों को नए प्रयोगों की रूपरेखा बनाने, सार्थक निष्कर्ष प्राप्त करने और सीखने की उपलब्धियों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है।

संदर्शिका में पाठों, कविताओं के लर्निंग आउटकम्स, गतिविधियाँ क्या, क्यों और कैसे कराएं, सोचो और बताओ एवं बच्चों के अनुभवों, व्याकरण और भाषा तत्वों के साथ-साथ आकलन जो कि NAS पर आधारित है को शामिल किया गया है।

प्रत्येक अध्याय के प्रारंभ में दिया गया 'शीर्षक परिचय' विद्यार्थियों के पूर्ववर्ती ज्ञान को बढ़ाने के लिए चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ सूचनापरक भी है। प्रत्येक पाठ विषय वस्तु के उदाहरणों, दृष्टांतों, सारणियों, क्रियाकलापों और आकलन से युक्त है, जो प्रत्येक भाषायी अवधारणाओं के सीखने के उद्देश्य से प्राप्त हुआ है। पाठ में सम्मिलित गतिविधियाँ अध्याय विशेष पर एक समग्र दृष्टि प्रस्तुत करती हैं।

प्रत्येक अध्याय के अंत में प्रस्तुत आकलन जो कुछ पढ़ा अथवा पढ़ाया गया है को पुनर्बलित करता है।

संदर्शिका में दिए गए क्रियाकलापों का चयन सावधानीपूर्वक किया गया है जिससे कि कक्षा में विद्यार्थियों की सहभागिता को अधिकाधिक रूप से बढ़ाया जा सके। बहुत-से क्रियाकलाप ऐसे हैं जिन्हें सरलतापूर्वक किया जा सकता है, इनके लिए कोई विशेष सामग्री की आवश्यकता नहीं है, इन्हें कक्षा में ही संपन्न किया जा सकता है अथवा गृहकार्य के रूप में दिया जा सकता है।

जहाँ कुछ गतिविधियाँ समूह-केन्द्रित हैं, वहीं कुछ व्यक्तिगत स्वरूप के हैं। समूह-केन्द्रित गतिविधियाँ टीम निर्माण के लिए महत्वपूर्ण होते हैं, जिसमें साथ-साथ भागीदारी करने के आनंद का अनुभव होता है साथ ही एक-दूसरे के विचारों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर मिलता है।

गतिविधियों के सत्र संचालित करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि कक्षा का वातावरण ऐसा बना रहे जो पारस्परिक सम्मान, विश्वास तथा सहयोग के लिए प्रेरक हो। चूंकि हर कक्षा भिन्न होती है तथा प्रत्येक अध्यापक अपने आप में विशेष होता हैं, अतः इन गतिविधियों को बदलती आवश्यकताओं एवं संदर्भों के अनुसार अनुकूलित किया जा सकता है।

यह विशेष रूप से ज्ञातव्य है कि इस संदर्शिका का उपयोग करते समय हमें भाषायी एवं आनुभविक गतिविधियों में संतुलन बनाए रखने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए, जिससे संदर्शिका अधिक उपयोगी व सार्थक सिद्ध हो। इसे और भी उपयोगी बनाने के लिए आपके सुझावों का सदैव स्वागत है।

शुभकामनाओं सहित...

संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

छत्तीसगढ़, रायपुर

कक्षा – पाँचवी

अनुक्रमणिका

अध्याय	अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
1	मैं अमर शहीदों का चारण	1-5
2	घी, गुड़ और शहद देने वाला वृक्ष	6-10
4	मैं सड़क हूँ	11-14
5	रोबोट	15-19
6	चित्रकार मोर	20-23
7	क्यूँ क्यूँ छोरी	24-28
10	सुनीता का पहिया कुर्सी	29-32
11	महामानव	33-37
12	गुंडाधूर	38-43
14	रेशम, चन्दन और सोने की धरती - कर्नाटक	44-48
15	एक और गुरु दक्षिणा	49-51
16	पत्र	52-55
18	हार नहीं होती	56-60
19	राष्ट्र प्रहरी	61-65
20	मस्जिद या पुल	66-69
22	महापुरूषों का बचपन	70-72
23	गुरू और चेला	73-76
24	बाबा अम्बेडकर	77-80
25	चमत्कार	81-83

पाठ 1

मैं अमर शहीदों का चारण

लर्निंग आउटकम्स	LH501, LH502, LH506, LH507, LH508, LE509, LE512, LE516, LE511

गतिविधि	गतिविधि क्यों करें ?	गतिविधि कैसे करें ?
प्रथम दिवस		
1. चित्र एवं पूर्व ज्ञान पर चर्चा	• चित्र देखकर विभिन्न महापुरूषों को पहचान पाएँगे। • बच्चे अपने परिवेश और अनुभव के आधार पर अपने विचारों को बता पायेंगे। • अन्य बच्चों के अनुभवों को सुन पायेंगे। • कक्षा में विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ेगी।	शिक्षक बच्चों को पाठ के चित्रों के अवलोकन करने कहें एवं उनसे चित्रों पर बातचीत करें। • ऊपर दिए गए चित्र किन-किन महापुरूषों के हैं? • महात्मा गाँधी के बारे में तुम क्या जानते हो? • 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हे आज़ादी दूंगा' यह नारा किसने दिया था? • महात्मा गाँधी ने देशवासियों को कौन-सा नारा दिया ? • किस अभियान में महात्मा गाँधी के चश्मे का उपयोग किया गया है? • कविता में 'मैं' का संबोधन किसके लिए किया हैं? • शहीद किसे कहते है? • चारण का क्या अर्थ है?
2. कविता पर समझ बनाकर अर्थ ग्रहण करना	• कविता के अर्थ को समझ पाएँगे। • कविता में आए नवीन शब्दों से परिचित होंगे।	• शिक्षक पहले स्वयं कविता का सस्वर वाचन करें। • शिक्षक 2 समूह बनावें तथा बारी-बारी से प्रत्येक समूह को एक-एक पद सुनाने कहें। • बच्चों को स्वतंत्र रूप से कविता सुनाने को कहें।
द्वितीय दिवस **(प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)**		
3. कविता पर समझ बनाकर अर्थ ग्रहण करना	• कविता के अर्थ को समझ पाएँगे।	• कविता वाचन उपरांत शिक्षक कविता के अर्थ को पदवार स्पष्ट करें एवं बच्चों से बातचित करें। • इस कविता में कौन-कौन से ऐसे शब्द आए है जिसे ने पहली बार सुना है। उसकी सूची बनाओ ?

		<table><tr><th>क्र.</th><th>शब्द</th></tr><tr><td>1</td><td>.....</td></tr><tr><td>2</td><td>.....</td></tr><tr><td>3</td><td>.....</td></tr><tr><td>4</td><td>.....</td></tr><tr><td>5</td><td>.....</td></tr></table> सूची बनाने के उपरांत शिक्षक बच्चों की सहायता से इनका अर्थ स्पष्ट करें।
4. कविता का अर्थ स्पष्ट करना	• बच्चे कविता के अर्थ को समझ पाएँगे। • नये-नये शब्दों से परिचित हो पाएँगे।	**निम्नलिखित पंक्तियों के अर्थ स्पष्ट करों** – (अ) गिरता है उनका रक्त जहाँ, वे ठौर तीर्थ कहलाते है। अर्थ ..... (ब) पूजे न गए शहीद तो फिर, वह बीज कहाँ से आएगा। अर्थ ..... (स) कविता में **'रक्त बीज'** शब्द आया है। इससे संबंधित खास बात आपके किताब में दी गई है। उसे ढूंढ़कर पढ़ो एवं लिखो - अर्थ .....
तृतीय दिवस **(पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)**		
5. समान उच्चारण वाले शब्द	• बच्चे समान उच्चारण वाले शब्दों को पहचान पाएँगे और दैनिक जीवन में उनका प्रयोग करना सीख पाएँगे ।	**समानोच्चारित शब्दों का अभ्यास कराएँ -** उदाहरण – धर्म, कर्म, मर्म, अमर, ... , ... गाथा, ... , ... कवि, ... , ...
6. स्लोगन/नारों का निर्माण करना	• विभिन्न अशुद्ध शब्द को शुद्ध कर पाएँगे। महापुरूषों के नारों से परिचित हो पाएँगे।	सारणी में दिए गए नारे को सही क्रम में लिखकर उन महापुरूषों के नाम लिखो जिन्होंने यह नारा दिया है - <table><tr><th>क्र.</th><th>नारा</th><th>सही क्रम</th><th>महापुरूषों का नाम</th></tr><tr><td>1.</td><td>दो दूँगा तुम मुझे खून आजादी मैं तुम्हें।</td><td></td><td></td></tr></table>

2.	जन्मसिद्ध अधिकार रहूंगा, स्वराज्य मेरा लेकर मैं इसे है।		
3.	मरो या करो		

चतुर्थ दिवस
(पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)

7. सोचो और लिखो

- बच्चे नये-नये शब्दों से परिचित होंगे।
- अशुद्ध शब्द को शुद्ध कर पाएँगे।

1. 'याद' शब्द के उल्टा करने पर 'दया' शब्द बनता है। इसी प्रकार के पाँच अन्य शब्द लिखो -

   1 ..... 2.....

   3 ..... 4.....

   5 .....

2. नीचे दिए गए शब्दों के वर्णो को तोड़-मरोड़ कर रखा गया है। वर्णों को सही स्थान पर रखकर सही शब्द बनाओ -

क्र.	अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द
1	रणचा	
2	जादीआ	
3	फलस	
4	तीरध	
5	रमअ	
6	शदही	

8. रचनात्मक कार्य

- बच्चों में मौलिक लेखन कौशल का विकास होगा।
- स्वच्छता/कोरोना से संबंधित स्लोगन ढूंढकर लिखो या स्वयं बनाओ।

पंचम दिवस

आकलन -

1. स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख शहीदों के नाम लिखो ?
2. किसी भी महापुरूष के बारे में निम्नलिखित बिंदुओं पर जानकारी एकत्रित करो -

   (क) महापुरूष का नाम - (ख) जन्म स्थान व तिथि -

   (ग) उनके द्वारा समाज/देश हित में किए गए कार्य - (घ) नारा -

टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।

शिक्षक का अनुभव -

श्री अश्विन कुमार मलिक, शास. प्राथ. शाला कोयारी, वि.ख.-कोरिया

गतिविधि क्रमांक 1 - चित्र एवं पूर्व ज्ञान पर चर्चा

गतिविधि क्रमांक 3 - कविता पर समझ बनाकर अर्थ ग्रहण करना

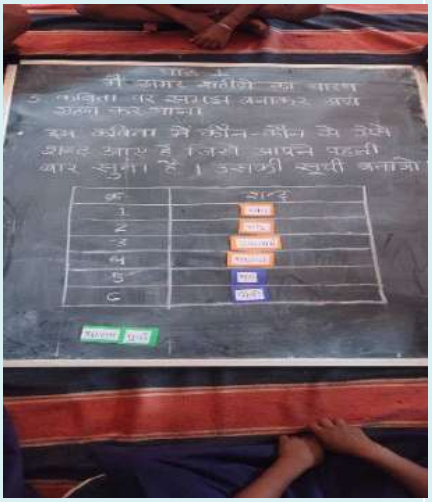

गतिविधि क्रमांक 5 - समान उच्चारण वाले शब्द

गतिविधि क्रमांक 6 - स्लोगन/नारों का निर्माण करना

गतिविधि क्रमांक - 7 सोचो और लिखो

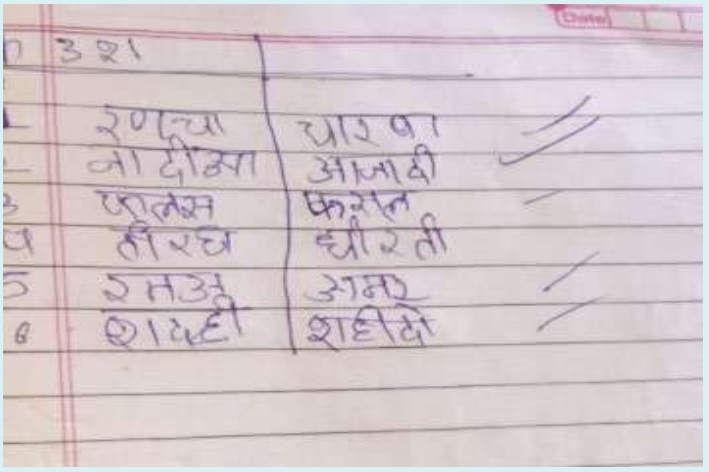

आकलन प्रपत्र

शिक्षक का नाम : अश्वनी कुमार मलिक
कार्यरत संस्था का नाम : शा॰ प्रा॰ शाला कोशारी
मोहल्ला / स्कूल का नाम : बीच टोला, कोशारी
मोबाइल नंबर : 9752015615
उपस्थित बच्चों की संख्या : 08
दिनांक / दिन : 19/03/2021

—000—

1. पाठ का नाम .... पाठ - 1 मैं अमर शहीदों का चारण
2. पाठ कितने दिन में पूरा हुआ .... 06 दिन
3. क्या आपको पाठ में दी गई गतिविधियाँ समझ में आई ? हाँ / नहीं .... हाँ
4. क्या आपने पूरी गतिविधियाँ कराई ? हाँ / नहीं .... हाँ
5. यदि नहीं तो क्यों? और कौन–सी गतिविधि नहीं कराई ? .... —
6. गतिविधियाँ कराते समय आपको कौन–कौन सी समस्याएँ हुई? स्पष्ट उच्चारण करवाने में
7. कौन–कौन सी गतिविधियों में बच्चों की सक्रिय सहभागिता नहीं थी? .... —
8. पाठ को रोचक बनाने के लिए आपके सुझाव .... कविता का वीडियो, अभिनय कराकर
9. पाठ को पढ़ाने के दौरान आपके अनुभव .... गतिविधियाँ करना बच्चों को रोचक लगा।
10. पाठ से संबंधित वीडियो (2–3 मिनट) व फोटो।
11. इस पाठ की व्याकरण / अवधारणा संबंधित त्रुटियाँ .... नहीं

नाम व हस्ताक्षर
अश्वनी कुमार मलिक
सहा. शिक्षक
शा॰ प्रा॰ शा॰ कोशारी
संकुल - कठौतिया
वि॰ खण्ड - मनेन्द्रगढ़

पाठ 2

घी, गुड़ और शहद देने वाला वृक्ष

लर्निंग आउटकम्स	**LH501, LH503, LH505, LH506, LH508, LH509, LH510, LH507, LH511, LH515, LH517, LH506, LH516**

गतिविधि	गतिविधि क्यों करें ?	गतिविधि कैसे करें ?
प्रथम दिवस		
1. पाठ के शीर्षक एवं पूर्व ज्ञान पर चर्चा	• पाठ के शीर्षक पर चर्चा करने से बच्चे पाठ के संबंध में अनुमान लगा सकेंगे। • बच्चों की पाठ पर समझ बढ़ेगी एवं कल्पनाशीलता का विकास होगा।	**निर्देश- शिक्षक पूर्व ज्ञान के आधार पर चर्चा करें -** • तुम्हारे आस-पास कौन कौन से वृक्ष पाए जाते हैं? • वृक्षों से हमें क्या-क्या प्राप्त होता हैं ? • कौन से ऐसे पेड़ पौधे हैं जिनसे दवाईयाँ बनाई जाती है? • घी किससे बनता हैं ? • शहद हमें कहाँ से प्राप्त होता है ? • गुड़ किससे बनता है ? • 'घी, गुड और शहद देने वाले वृक्ष' पाठ में किसके बारे मे बताया गया होगा?
2. पाठ का आदर्श वाचन	• बच्चे शुद्ध उच्चारण से पाठ पढ़ना सीख सकेंगे। • जोड़ो व समूह पठन कराने से बच्चे एक दूसरे से जल्दी सीख सकेंगे।	• शिक्षक पाठ का शुद्ध उच्चारण कर बच्चों को पढ़कर सुनाएँ। • एक अनुच्छेद पढ़ने पर बच्चों से चर्चा कर पाठ समझाएँ। • अनुच्छेद पूर्व होने पर बच्चों से जोड़ो में पठन व स्वतंत्र पठन कराएँ। यह प्रक्रिया पूरे अनुच्छेद के पूर्ण होने तक करें।
द्वितीय दिवस **(प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)**		
3. शब्दावली विकास	• बच्चे नए-नए शब्द जान पाएँगे और दैनिक जीवन में उनका उपयोग कर पाएँगे।	• पाठ में दिए गए ऐसे शब्दों की सूची बनाओं जिन शब्दों से तुमने पहली बार पढ़ा है - --- --- • **दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्दों की जोड़ी बनाओं-** सौन्दर्य वर्धक - जिसका मूल्य न हो पुष्पित - नियम के अनुसार अमूल्य - खिला हुआ फूल

		जायकेदार - सुंदरता बढ़ाने वाला निराला - अनोखा बकायदा - स्वादिष्ट
4. पाठ पर बातचीत	• बच्चों में सोचने, तर्क करने आदि कौशलों का विकास होगा। • बच्चे वृक्षों के बारे में जान पाएँगे।	• किन क्षेत्रों के निवासी घी, गुड़ और शहद देने वाले वृक्ष को कल्पवृक्ष मानते है ? • यह वृक्ष भारत नेपाल की सीमा पर ही क्यों पाया जाता है? • इन वृक्षों से शहद कैसे प्राप्त होता है? • हमारे राज्य में शहद कैसे प्राप्त होता है? • च्यूरा वृक्ष से प्राप्त गुड़ व शहद हमारे राज्य में क्यों नहीं मिल पाता?
तृतीय दिवस (पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)		
5. पता करो और बताओ	• स्वयं करके सीख पाएँगे।	• **च्यूरा वृक्ष की विशेषता लिखों -** 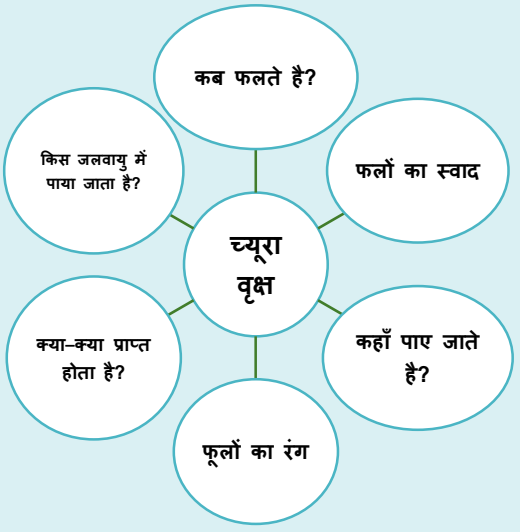 • तुम्हारें आस पास के इलाके में मधुमक्खी के काटने पर क्या करते है? • मधुमक्खियाँ फूलों पर क्यों मंडराती हैं ? • तुम्हारे घर में शहद का उपयोग किस-किस में किया जाता है ?

चतुर्थ दिवस

आकलन

- दी गई तालिका को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर पर गोला लगाओ -

क्रमांक	वृक्ष का नाम	प्राप्ति स्थान	विशेषता
1	डगलस फर	संयुक्त राज्य अमेरिका	सड़क निर्माण के समय सड़क के बीच में यदि यह वृक्ष आ जाए तो इसे उखाड़ने की बजाय तने को बीच से खोखला करके सड़क बना ली जाती है। खोखला करने के बाद भी यह पेड़ मरता नहीं है।
2	म्यूनेम	उत्तरी अमेरिका	इसका फल अखरोट की तरह कड़े आवरण वाला होता है। इसे तोड़ने पर मक्खन जैसे रंग, स्वाद व गंध वाल चिकना पदार्थ निकलता है। एक वृक्ष से एक साल में 45 किलोग्राम तक मक्खन इकट्ठा किया जा सकता है।
3	फाउण्टेन ट्री	साइबेरिया के जंगल	इस वृक्ष के तने में चीरा लगाने पर पानी का फौव्वारा फूट पड़ता हैं जो थोड़ी देर बाद अपने आप बंद हो जाता है।
4	बओबाब (बॉटल ट्री)	मेडागास्कर एवं ऑस्ट्रेलिया	यह अपने अंदर 300 लीटर तक पानी संग्रह कर सकता है। इसकी आयु लगभग 500 साल होती है।
5	स्वीट तबैबा	ब्राजील एवं पेरु देश के घने जंगल	इस वृक्ष से गाय के दूध के समान मीठा और पौष्टिक दूध निकलता है।

प्रश्न:- 1 डगलस फर कहाँ पाया जाता है?

(क) उत्तरीय अमेरिका (ख) ब्राजील में

(ग) आस्ट्रेलिया में (घ) संयुक्त राज्य अमेरिका में

प्रश्न:- 2 बॉटल ट्री कितना पानी संग्रहित कर सकता है?

(क) 500 लीटर (ख) 300 लीटर

(ग) 45 लीटर (घ) 25 लीटर

प्रश्न:- 3 कौन से वृक्ष का फल अखरोट जैसा होता है?

(क) बाओबाब (ख) फाउण्टेन ट्री

(ग) म्यूनेम (घ) डगलस फर

प्रश्न:- 4 साइबेरिया के जंगल में पाये जाने वृक्ष की विशेषता क्या है?

(क) दूध निकलता है (ख) पानी निकलता है

(ग) मक्खन निकलता है (घ) पानी का फौव्वारा निकलता है

प्रश्न:- 5 कौन से दो पेड़ों से खाद्य पदार्थ मिलते हैं?

(क) डगलस फर एवं म्यूनेम (ख) स्वीट तबैबा एवं म्यूनेम

(ग) बॉटल ट्री एवं स्वीट तबैबा (घ) फाउण्टेन ट्री एवं बाओबाव

प्रश्न:- 6 इन वृक्षों में सबसे विशाल वृक्ष कौन सा है?

(क) म्यूनेम (ख) फाउण्टेन ट्री

(ग) बॉटल ट्री (घ) डगलस फर

प्रश्न:- 7 दूध देने वाले वृक्ष कहाँ पाये जाते है?

(क) ब्राजील एवं साइबेरिया (ख) पेरु एवं ब्राजील

(ग) ब्राजील एवं मेडागास्कर (घ) ऑस्ट्रेलिया एवं पेरु

प्रश्न:-8 निर्माण का विलोम शब्द क्या होगा?

(क) विकास (ख) सुधार

(ग) उत्पत्ति (घ) विध्वंस

प्रश्न:- 9 आवरण का अर्थ क्या होगा?

(क) स्वादिष्ट (ख) कठोर

(ग) ढका हुआ (घ) चिकना

प्रश्न:- 10 इस पाठ्य सामग्री का उद्देश्य क्या है?

(क) सावधान करना (ख) जानकारी देना

(ग) आलोचना करना (घ) विश्लेषण करना

प्रश्न:- 11 यह पाठ्य सामग्री किस प्रकार की है?

(क) कविता (ख) निबंध

(ग) सारणी (घ) कहानी

टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।

शिक्षक का अनुभव -

गतिविधि क्रमांक 1 - पाठ के शीर्षक एवं पूर्व ज्ञान पर चर्चा

गतिविधि क्रमांक 2 - पाठ का आदर्श वाचन

गतिविधि क्रमांक 3- शब्दावली विकास

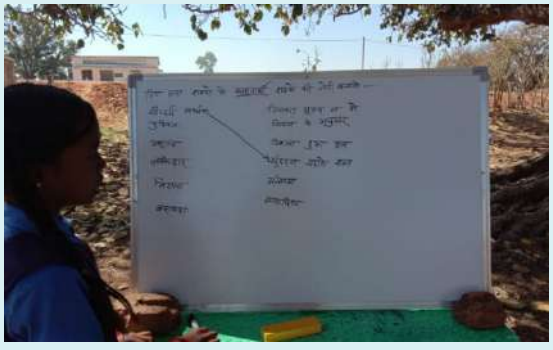

आकलन

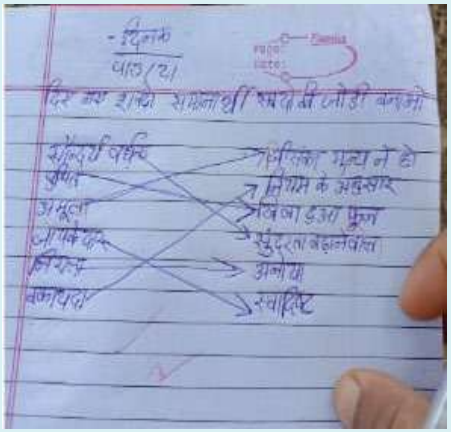

पाठ 4

मैं सड़क हूँ

लर्निंग आउटकम्स	**LH501, LH502, LH503, LH504, LH508, LH507, LH509, LH510, LH511, LH512, LH517, LH516**

गतिविधि	गतिविधि क्यों करें ?	गतिविधि कैसे करें ?
	प्रथम दिवस	
1. पूर्व ज्ञान एवं पाठ पर चर्चा	• बच्चे सड़क के बारे में अपने अनुभव बता पाएँगे व दूसरों के अनुभवों को सुन पाएँगे।	बच्चों, आज मैं एक पहेली पूछती हूँ, तुम लोग सोचकर उसके उत्तर बताओ - सबको घर-घर पहुँचाती हूँ, पर खुद न, जा आ पाती हूँ, बताओं क्या है मेरा नाम। **उत्तर - तुमने सही पहचाना 'सड़क'।** • अब बताओ 'सड़क' क्यों बनाई जाती है ? • सड़क कौन बनाता है ? • सड़क बनाने के लिए किन-किन सामग्रियों की आवश्यकता होती हैं ? • गाँव एवं शहर की सड़क में क्या अंतर होता है ? • इस पाठ का नाम 'मैं सड़क हूँ' है इसमें किसके बारे में बताया गया होगा ?
2. पाठ का आदर्श वाचन	• बच्चे धारा प्रवाह पढ़ना सीखेंगे। • पाठ में दिए गए नए-नए शब्दों से परिचित होगें।	• शिक्षक पूरे पाठ को शुद्ध उच्चारण, उचित प्रवाह से पढ़े। फिर बच्चे को पढ़ने कहे। समूह वाचन एवं स्वतंत्र वाचन भी करवाएँ।
	द्वितीय दिवस **(प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)**	
3. पाठ पर बातचीत	• पाठ को समझ पाएँगें। • प्रश्नो के उदाहरण दे पाएँगें।	पाठ के आदर्श वाचन व बच्चों के समूह पठन, स्वतंत्र पठन के पश्चात शिक्षक प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करें- 1. मैं सड़क हूँ, इस पाठ में सड़क की तुलना अजगर से क्यों की गई है ? 2. सड़क को किस बात का दुख होता है ? 3. सड़क को क्या अच्छा लगता है ? 4. सड़क को सार्वजनिक संपत्ति क्यों कहा जाता है ?

4. प्रश्न बनाओं	• प्रश्न बनाने की प्रक्रिया से अवगत होंगे।	शिक्षक सड़क पाठ पर आधारित बच्चों को समूहवार क्यों, क्या, कैसे, कहाँ प्रश्न बनाने का कार्य दे। प्रश्न बनाने उपरांत प्रत्येक समूह अपने-अपने समूह का प्रस्तुतीकरण करें। अन्य समूह उत्तर बतावें। <table><tr><th>समूह 1</th><th>समूह 2</th><th>समूह 3</th><th>समूह 4</th></tr><tr><td>कैसे</td><td>क्यों</td><td>कहाँ-कहाँ</td><td>क्या-क्या</td></tr></table>
तृतीय दिवस **(पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)**		
5. अपने शब्दों में बताओं	• बच्चे लिखे हुए वाक्यों का के भावार्थ बता पाएँगे।	**दिए गए वाक्य सड़क के संबंध में है इन वाक्यों का अर्थ अपने शब्दों में समझाओ -** वाक्य - वैसे मेरा रूप सुंदर नहीं है, एकदम काली-कलूटी और लंबी। अर्थ – ..... वाक्य – कभी-कभी तो मुझ में छोटे-बड़े गडढ़े हो जाते है तब मेरा रूप और भी बिगड़ जाता है। यह मुझे बनाने वालों की लापरवाही चाहने का नतीजा है। मुझे अपनी इन बदसूरती पर उतना दुख नहीं होता, जितना अपने ऊपर से चलने वालों की गलत आदतों पर होता है। अर्थ – .....
6. संयुक्त वर्णों से शब्द बनाओ	• बच्चे संयुक्त अक्षरों वाले शब्दों को पढ़ना व लिखना सीख सकेंगे।	**संयुक्त अक्षरों का प्रयोग करते हुए शब्द बनाओ -** उदा. - ट्ठ – चिट्ठी, मुट्ठी, भट्ठी • क्श - रिक्शा .... • क्क - चक्की .... • ड्ड - अड्डा .... • द्द - कद्दू ....
चतुर्थ दिवस **(पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)**		

7. प्रत्यय की पहचान	• बच्चे प्रत्यय का आशय समझ पाएँगे।	घुमाव शब्द में दार शब्दांश लगाने से घुमावदार शब्द बना। शब्द के बाद लगने वाले शब्द को प्रत्यय कहते है। इसी प्रकार दिए गए शब्दों में प्रत्यय लगाकर शब्द बनाओ- • धार ..... • ईमान ..... • ठेका ..... • पहरा ..... • जान .....
8. आत्म कथा लिखो	• बच्चे आत्म कथा किसे कहते है। आत्म कथा कैसे लिखी जाती है इसके बारे में जान पाएँगे।	इस पाठ में सड़क ने स्वयं अपने बारे में बताया है, जिसे सड़क की आत्मकथा कहते है। इसी तरह आप भी अपनी आत्मकथा निम्न बिन्दुओं में लिखो- • नाम ..... • माता-पिता का नाम ..... • आयु ..... • जिला/स्थान ..... • कक्षा जिसमें तुम पढ़ते हो ..... • विद्यालय का नाम ..... • तुम्हारा सपना ..... • क्या पसंद है ..... • क्या पंसद नही है .....

पंचम दिवस

आकलन

- <u>दिए गए अनुच्छेद को पढ़कर सही विकल्प पर गोला लगाओ-</u>

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का मकसद भारत के हर ग्रामीण इलाकों, दुर्गम क्षेत्रों में पक्की सड़कें उपलब्ध कराना है ताकि हर मौसम में लोग सड़कों का इस्तेमाल कर अपना जीवन यापन कर सकें। भारत सरकार ने 25 नवम्बर 2000 को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की शुरूआत की थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण इलाकों में 500 और पहाड़ी, रेगिस्तानी क्षेत्रों में 250 लोगों की आबादी वाले गाँवों को सड़कों से जोड़ना था।

तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी सरकार के वक्त से ही इसका नाम- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना है। इस योजना का सबसे अधिक फायदा गाँवों के लोगों को हुआ। सड़कों के द्वारा छोटे किसान शहरों से सीधे जुड़ सकें और अपनी फसल बेचने लगे। प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना में सड़कों के रखरखाव का भी ध्यान रखा जाता हैं। यदि किसी कारण वश सड़कें खराब होती है तो उसकी मरम्मत भी की जाती है।

1. इस योजना का नाम है -

(अ) अटल बिहारी ग्राम सड़क योजना। (ब) भारत सरकार ग्राम सड़क योजना।

(स) प्रधान मंत्री सड़क योजना। (द) प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना।

2. गाँवों /दुर्गम क्षेत्रों में पक्की सड़कें बनाना क्यों जरूरी हैं -

(अ) यातायात की सुविधा के लिए (ब) गाँवों को शहरों से जोड़ने के लिए

(स) गाँवों के विकास के लिए (द) बारिश की परेशानी से बचाव के लिए

3. इस योजना के अंतर्गत यदि सड़कें खराब होती है तो इसका भी ख्याल रखा जाता है, रेखांकित वाक्य का आशय है-

(अ) सतर्कता (ब) देखभाल

(स) जागरूकता (द) सजावट

4. इस योजना का सबसे अधिक फायदा होगा –

(अ) गाँवों को (ब) शहरों को

(स) गाँवों व शहरों दोनों को (द) शहरों के नजदीक गाँवों को

5. पहाड़ी व रेगिस्तान क्षेत्रों में सड़कें बनाई जाती है जहाँ की आबादी -

(अ) 500 की आबादी (ब) 250 की आबादी

(स) 10000 की आबादी (द) 1000 की आबादी

टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।

शिक्षक का अनुभव -

गतिविधि क्रमांक 1 - पूर्व ज्ञान एवं पाठ पर चर्चा

गतिविधि क्रमांक 4 - प्रश्न बनाओं

गतिविधि क्रमांक 7 - प्रत्यय की पहचान

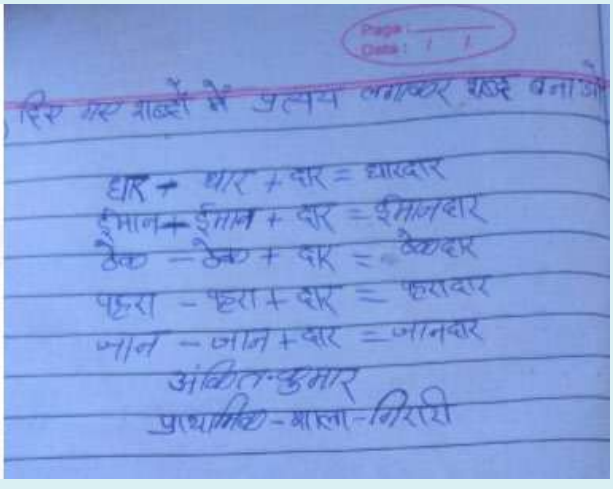

आकलन

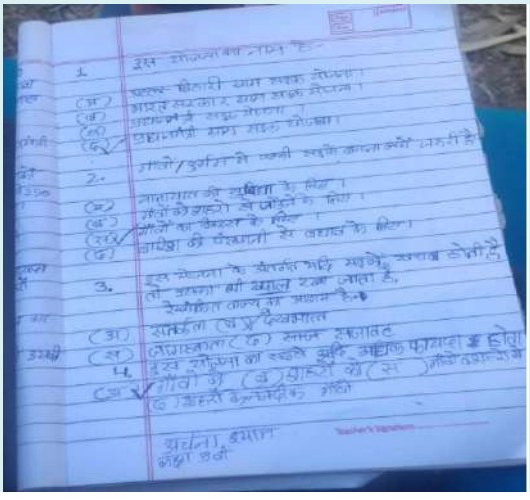

पाठ 5

रोबोट

लर्निंग आउटकम्स	LH501, LH504, LH507, LH508, LH509, LH510, LH511, LH512, LH517

गतिविधि	गतिविधियाँ क्यों करें ?	गतिविधियाँ कैसे करें ?
प्रथम दिवस		
1. चित्र एवं पूर्व ज्ञान पर चर्चा।	• बच्चों से चित्र पर चर्चा करने से पाठ में क्या पढ़ने वाले हैं इसके बारे में अनुमान लगा पाएँगे। • मौखिक भाषा एवं अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।	**पाठ के चित्र को देखों और बताओ–** • चित्र क्रमांक 1 व 2 में क्या–क्या दिख रखा है? • इस चित्र में सब क्या कर रहे है ? • तुम सब अपना जन्मदिन कैसे मनाते हो ? • क्या तुमने रोबोट देखा है?
2. पाठ वाचन	• बच्चे पाठ को धारा प्रवाह पढ़ना सीखेंगे। • पाठ में आए नए-नए शब्दों से परिचित होगा।	• शिक्षक एक-एक अनुच्छेद पढ़े व उस पर चर्चा करते हुए पाठ को अपने शब्दों में समझायें। इसी तरह पथ में दिए गए समस्त अनुच्छेद को पढ़े।
द्वितीय दिवस **(प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)**		
3. पाठ पर बातचीत	• बच्चे पाठ को समझ पाएँगे। • पाठ को समझकर प्रश्नों के उत्तर लिख पाएँगे।	• 'तुम जियो हजारों साल, साल के दिन हो पचास हजार ' ऐसा गाना जन्मदिन पर क्यों गाया जाता है? उत्तर - ..... • राहुल को जन्मदिन में प्राप्त खिलौने की क्या-क्या विशेषता थी? उत्तर - ..... • रोबोट का उपयोग किन क्षेत्रों में अधिक लाभदायक होता है? उत्तर - ..... • यदि तुम्हारे स्कूल में सही का रोबोट आ जाए तो तुम उससे क्या - क्या काम करवाओगे ? उत्तर - ..... • मशीनों के उपयोग से हमारे जीवन में क्या प्रभाव पड़ा ? उत्तर - .....

4. सोचो और बताओ

- बच्चे अपने अनुभव से मनुष्य और रोबोट में अंतर बता पाएँगे।

- **मनुष्य और रोबोट में क्या अंतर है ?**

मनुष्य	रोबोट

5. सही जोड़ी

- पाठ में आए गए शब्दों के अर्थ से परिचित होगे तथा उनसे समानार्थी शब्दों को जानकर अपने दैनिक जीवन में उपयोग कर पाएँगे।

- **दिए गए शब्दों में समानार्थी शब्द का मिलान कर सही जोड़ी बनाओ -**

काम में लगा हुआ होना - यूनिट
विचित्र - अद्भुत
उल्टा - व्यस्त
इकाई - विपरीत
आश्चर्यजनक - अनूठा

तृतीय दिवस
(पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)

6. विशेषण विशेष्य की पहचान

- विशेषण, विशेष्य और क्रिया में को समझ पाएँगे।

- **दी गई कहानी को पढ़कर तालिका में विशेष्य, विशेषण व क्रिया शब्द छाँटकर लिखो**

एक नीली पंतग कटकर नीचे आई। पतंग बकरी के सींग में अटक गई। बकरी दौड़कर भागी। सभी बच्चे उनके पीछे भागे। बच्चों के पीछे बूढ़े दादा भागे। बकरी बूढ़ी दादी से टकराई, पतंग उड़ गई।

	विशेषण	विशेष्य	क्रिया
उदा.	नीली	पतंग	कटकर नीचे आई

7. वाक्य संरचना	• वाक्य संरचना को समझ कर उसका उपयोग करना सीख पाएँगे।	• आदेशात्मक वाक्य और प्रश्नवाचक वाक्य अलग-अलग होते है। प्रश्नवाचक वाक्य में प्रश्न पूछे जाते है और आदेशात्मक वाक्य में आदेश दिया जाता है। प्रश्नवाचक के अंत में प्रश्नवाचक चिह्न ? लगाया जाता है । आदेशात्मक वाक्य में पूर्ण विराम लगाया जाता है। दिए गए उदाहरण देखकर तालिका पूर्ण करो –

	आदेशात्मक वाक्य	**प्रश्नवाचक वाक्य**
उदा.	तुम घर जाओ।	क्या तुम घर जा रहे हो ?
1	तुम रोज स्कूल जाया करो।	.....
2	.....	क्या तुम कल सुबह जल्दी उठोगे?
3	तुम बारिश में नहीं जाओगे।	.....
4	.....	क्या तुमने हाथ धोकर खाना खाया?

चतुर्थ दिवस

आकलन

- **सही विकल्प पर गोला लगाओ -**

प्रश्न:-1 ‘‘गिफ्ट को चमकीले कागज से सजाओ।’’ इस वाक्य में विशेषण शब्द कौन-सा है?

(क) गिफ्ट (ख) चमकीले

(ग) कागज (घ) सजाओ

प्रश्न:-2 ‘‘सानिया कल रायपुर जाएगी’’ इस वाक्य के अंत में कौन-सा विराम चिह्न आएगा?

(क) ‘ (ख) ।

(ग) ‘ ’ (घ) :-

प्रश्न:-3 वाक्य के अंत में कौन-सा विराम चिह्न लगता है?

(क) अर्थ विराम (ख) अल्प विराम

(ग) उप विराम (घ) पूर्ण विराम

प्रश्न:-4 क्या तुमने किताब पढ़ी? इस वाक्य में कौन सा चिह्न लगा है ?

(क) पूर्ण विराम (ख) अल्प विराम

(ग) प्रश्न वाचक चिह्न (घ) आश्चर्य सूचक चिह्न

प्रश्न:-5 शब्द कोष के क्रम के अनुसार कौन-सी जोड़ी सबसे पहले आएगी -

(क) रहना, सोना (ख) खाना, गाना

(ग) पीना, पाना (घ) लेना, देना

प्रश्न:-6 ''अंगेजी सेना गुंडाधूर की छाया को भी छू न सकी''। रेखांकित वाक्य का क्या अर्थ है ?

(क) परछाई को पकड़ना (ख) कोशिश करना

(ग) पकड़ में न आना (घ) गायब हो जाना

प्रश्न:-7 ''पेड़ पर हरा तोता बैठा है।'' रेखांकित शब्द क्या है?

(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम

(ग) विशेषण (घ) प्रत्यय

प्रश्न:-8 वह बाहर जा रहा है। रेखांकित शब्द क्या है?

(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम

(ग) विशेषण (घ) अव्यय

टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।

शिक्षक का अनुभव –

श्री भीष्म प्रसाद त्रिपाठी, शास. प्राथ. शाला छुईलापानी

गतिविधि क्रमांक 5 - सही जोड़ी

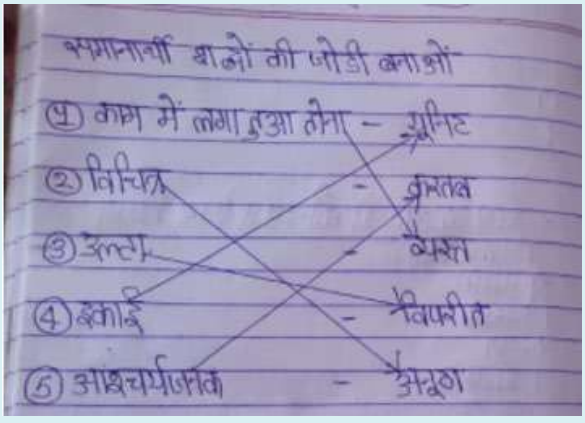

आकलन

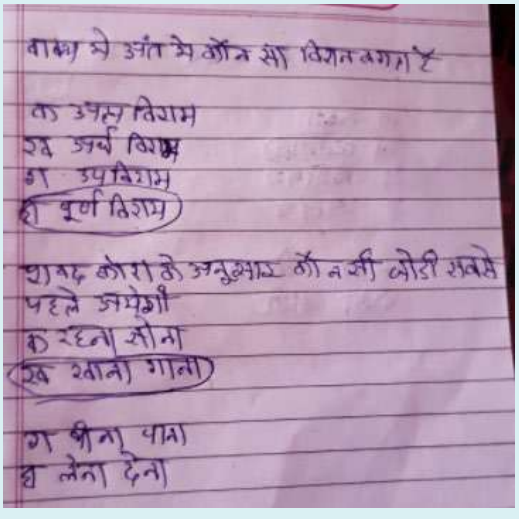

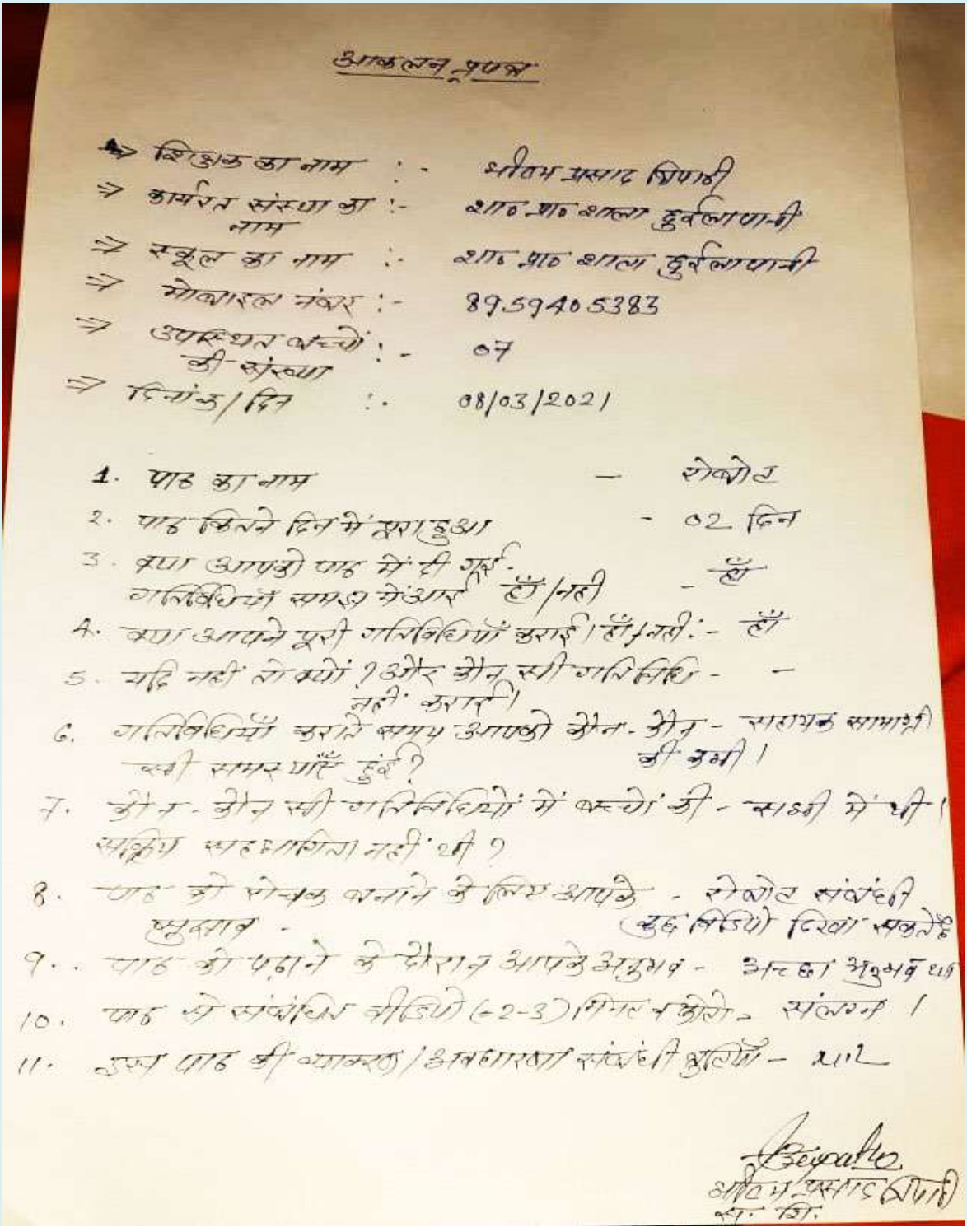

आकलन प्रपत्र

⇒ शिक्षक का नाम :- प्रीतम प्रसाद त्रिपाठी
⇒ कार्यरत संस्था का नाम :- शा० प्रा० शाला दुर्लापानी
⇒ स्कूल का नाम :- शा० प्रा० शाला दुर्लापानी
⇒ मोबाइल नंबर :- 8959405383
⇒ उपस्थित बच्चों की संख्या :- 07
⇒ दिनांक/दिन :- 08/03/2021

1. पाठ का नाम — रोबोट
2. पाठ कितने दिन में पूरा हुआ - 02 दिन
3. क्या आपको पाठ में दी गई गतिविधियाँ समझ में आईं हाँ/नहीं - हाँ
4. क्या आपने पूरी गतिविधियाँ कराईं। हाँ/नहीं :- हाँ
5. यदि नहीं तो क्यों? और कौन सी गतिविधि नहीं कराई। - —
6. गतिविधियाँ कराते समय आपको कौन-कौन सी समस्याएँ हुईं? - सहायक सामग्री की कमी।
7. कौन-कौन सी गतिविधियों में बच्चों की सक्रिय सहभागिता नहीं थी? - सभी में थी।
8. पाठ को रोचक बनाने के लिए आपके सुझाव - रोबोट संबंधी कुछ वीडियो दिखा सकते हैं।
9. पाठ को पढ़ाने के दौरान आपके अनुभव - अच्छा अनुभव था
10. पाठ से संबंधित वीडियो (2-3) मिनट का हो तो - संलग्न।
11. उक्त पाठ की व्याकरण/अवधारणा संबंधी त्रुटियाँ - nil

[signature]
प्रीतम प्रसाद त्रिपाठी
स० शि०

पाठ 6

चित्रकार मोर

लर्निंग आउटकम्स	LH501, LH502, LH503, LH506, LH507, LH508, LH509, LH510, LH511, LH517

गतिविधि	गतिविधि क्यों करें ?	गतिविधि कैसे करें ?
प्रथम दिवस		
1. पूर्व ज्ञान पर चर्चा	• बच्चे पक्षियों के बारे में अपने अनुभव बता पाएँगे व दूसरों के अनुभवों को सुन पाएँगे। • बच्चे अनुमान लगा पाएँगे।	• तुम कौन-कौन से पक्षियों को जानते हो? • हमारा राष्ट्रीय पक्षी कौन है? • तुम्हें कौन-सा पक्षी बहुत अच्छा लगता है और क्यों ? • मोर का रंग कैसा होता है? • पाठ में दिए गए दोनों चित्रों में क्या अंतर है? • 'चित्रकार मोर' कहानी में किसके बारे में बताया गया होगा?
2. कहानी का सारांश	• बच्चे शुद्ध उच्चारण से पाठ पढ़ना सीख सकेंगे।	• शिक्षक अपने शब्दों में कहानी का सारांश बताएँ। सारांश बताते समय बीच-बीच में बच्चों से अनुमान लगाने हेतु प्रश्न पूछें। • सारांश बताने के उपरांत बच्चों को व्यक्तिगत रूप से पाठ पढ़ने कहें जिससे पाठ पर बच्चों की समझ विकसित हो सके।
द्वितीय दिवस **(प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)**		
3. कहानी पर बातचीत	• कहानी पर बातचीत करने से बच्चे कहानी को समझ पाएँगे।	प्रश्न 1 - इस कहानी की मुख्य घटना क्या है? उत्तर - ..... प्रश्न 2 - उल्लू को गंभीर स्वभाव वाला क्यों कहा गया? उत्तर - ..... प्रश्न 3- पक्षी कौन-सी समस्या लेकर ब्रह्मा जी के पाए गए थे? उत्तर - ..... प्रश्न 4 - ब्रह्मा जी ने पक्षियों की समस्या के समाधान की लिए क्या किया? उत्तर - ..... प्रश्न 5 - मोर ने अपने पैरों को क्यों नहीं रंगा? उत्तर - .....

		दी गई विशेषताओं के आधार पर पक्षियों के नाम बताओ- 1. रात को जागता, दिन को सोता - ..... 2. हरा रंग, लाल चोंच - .....
4. कैसे हो काम ?	• विभिन्न व्यवसाय एवं व्यवसाय में काम आने वाले औजारों के बारे में जान सकेंगे।	• चित्रकार अपने काम में ब्रश, रंग आदि का इस्तेमाल करता है। ये लोग किन-किन चीजों की मदद से अपना काम करते हैं – बढ़ई - .... रसोइयाँ - .... डॉक्टर - .... कुम्हार - .... किसान - ....
5. आओ अपना परिवेश जाने	• अपने परिवेश में पाए जाने वाले जीव-जंतु से परिचित हो पाएँगे।	• तुम्हारे घर या स्कूल के आसपास कौन-कौन से जानवर या पक्षी नजर आते है? पता करो और उसकी विशेषता बताओ -

जानवरो के नाम	विशेषता	पक्षियों के नाम	विशेषता

तृतीय दिवस

(पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)

6. अंतर बताओ	• परिवेश में पाए जाने वाले पक्षियों के विभिन्न विशेषताओं के आधार पर अंतर कर पाएँगे।	• मोर, तोता, उल्लू, नीलकंठ ये सभी पक्षी है, किंतु इनमें क्या अंतर हैं। इनकी एक-एक विशेषता बताओ -

	मोर	तोता	उल्लू	नीलकंठ
उदा.	मोर के पंख रंग-बिरंगे होते है।			

7. बन गया वाक्य	• वाक्य संरचना से परिचित होंगे एवं अपने दैनिक जीवन में उपयोग कर पाएँगे।	• **नीचे लिखे शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो-** 1. इतने में - ..... 2. संतोष - ..... 3. उदास - ..... 4. ढिंढोरा - .....

8. रंगों के आधार पर वस्तुओं के नाम लिखो	• अपने परिवेश में पायी जाने वाली वस्तुओं के रंगों को पहचान पाएँगे।	• **दिए गए रंगों के सामने उस रंग की चीजों के नाम लिखो -** पीला - ..... नीला - ..... लाल - ..... नारंगी - ..... भूरा - ..... सफेद - ..... गुलाबी - ..... हरा - ..... बैंगनी - ..... काला - .....
9. क्रिया चुन कर मुहावरा बनाओ	• बच्चे क्रिया के आधार पर मुहावरे बनाना सीख सकेंगे।	• खण्ड 'ख' से क्रिया शब्द चुनकर खण्ड 'क' के शब्दों के साथ जोड़िए। तुम देखोगे एक सुंदर मुहावरा बनकर सामने आएगा उसे खण्ड स में लिखो -

खण्ड क	खण्ड ख	खण्ड स
1. न्यौछावर ..... 2. आहुति ..... 3. पीठ ..... 4. टूट ..... 5. दासता ..... 6. नजर ..... 7. पीला ..... 8. लड़ाई	देना, छिड़ जाना, **हो जाना**, लगना, पड़ जाना, दिखाना, पड़ना न्यौछावर हो जाना	न्यौछावर हो जाना

• खण्ड स में बने मुहावरों का अर्थ लिखो।

चतुर्थ दिवस

आकलन

- दिए गए वेब जाल में किसी एक पक्षी के बारे में लिखो।

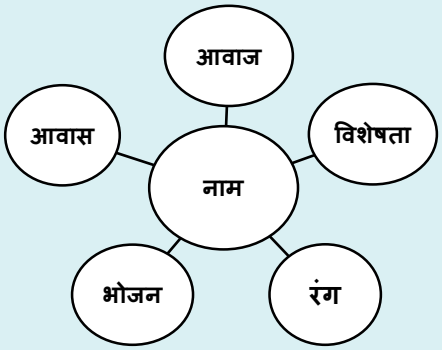

- दी गई कहानी को पढ़कर सही विकल्प पर गोला लगाओ -

'मुनमुन और मुन्नू'

एक दिन रमा के घर में दो कबूतर आए। रमा उन्हें देखने आँगन में आई। रमा को कबूतरों का घोंसला दिखा। रमां ऊपर चढ़कर घोंसला देखने लगी। रानी भी घोंसला देखने आ गई। घोंसले में अंडा देखकर दोनों बहुत खुश हुई। रानी ने देखा कि मुनमुन भी वहाँ आ गई। रमा ने मुनमुन को वहाँ से भगा दिया। मुनमुन फिर से लौट आई। रमा ने मुनमुन को दूध पिलाया। वे मुनमुन को रोज़ दूध देने लगीं। मुनमुन रोज़ दूध पीती और चली जाती। रमा और रानी को एक दिन अंडे में दरारें दिखी। अंडे में से बच्चा निकल आया। रमा और रानी ने उसका नाम मुन्नू रख दिया।

1. इस कहानी के मुख्य पात्र है -
   (अ) रानी रमा (ब) कबूतरों का घोंसला
   (स) आँगन (द) घोसलों में रखा अंडा
2. मुन्नू नाम था -
   (अ) कबूतर का (ब) कबूतर के बच्चे का
   (स) बिल्ली का (द) बिल्ली के बच्चे का
3. रमा ने मुनमुन को भगा दिया क्योंकि वह -
   (अ) वह रोज दूध पी जाती थी (ब) उसके घर दूध नहीं था
   (स) उसे मुनमुन पंसद नहीं थी (द) वह घर को रोज गंदा करती थी
4. सही शब्द है -
   (अ) आगँन (ब) आंगन
   (स) ऑगन (द) आँगन
5. रानी रमा के पास आई -
   (अ) खेलने (ब) घोंसला देखने
   (स) कबूतर देखने (द) मुनमुन को देखने

टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।

पाठ 7

क्यूँ - क्यूँ छोरी

लर्निंग आउटकम्स	**LH501, LH502, LH503, LH504, LH507, LH508, LH509, LH510, LH511,LH512, LH516**

गतिविधि	गतिविधि क्यों करें ?	गतिविधि कैसे करें ?
	प्रथम दिवस	
1. पाठ का आदर्श वाचन	• पाठ के वाचन से बच्चों में उत्साह बढ़ेगा। • बच्चे पाठ के भाव को समझ पाएँगे। • विराम चिह्नों पर ध्यान देते पढ़ना सीख पाएँगे।	• शिक्षक पाठ आरंभ करने से पूर्व **क्यूँ क्यूँ** का आशय बतावें तथा संक्षेप में यह भी बतावें की छोरी को स्थानीय भाषा में लड़की कहा जाता है। आज हम बार-बार प्रश्न पूछने वाली लड़की आप हम जैसी ही एक लड़की के बारे में पढ़ेगें। • शिक्षक पाठ को पढ़े तथा उसका अर्थ भी अपने शब्दों में बताए। • पाठ पढने के उपरांत शिक्षक बच्चों को पाठ स्व्यं पढने कहें।
2. पाठ पर बातचीत	• बच्चे आदिवासियों के रहन-सहन, खान-पान से परिचित होंगे। • आदिवासियों को शासन द्वारा प्राप्त सुविधाओं के बारे में जान सकेंगे।	शिक्षक पढ़ने के उपरांत शिक्षक बच्चों से प्रश्न पूछे - प्रश्न - इस पाठ में मुख्य रूप से किस किसके बीच संवाद होता है? उत्तर - ---------- प्रश्न - मोइना शिक्षक बनने पर बच्चे से सवाल क्यों करती है? उत्तर - ---------- प्रश्न - खीरी मोइना से काम क्यों करवाती थी? उत्तर - ----------
	द्वितीय दिवस **(प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)**	
3. मोइना के चरित्र की विशेषता	• कहानी पढ़कर बच्चे मोहिना के चरित्र के बारे में समझ सकेंगे। • मोहिना की अच्छी बातों को अपने दैनिक जीवन में अपनाएंगे। जैसे-हाथ धोना।	**दिए गए वाक्यों को पढ़कर मोहिना के चरित्र के बारे में बताओ-** **वाक्य** | **चरित्र की विशेषता** उदा. | मैं उनका बचा-खूचा क्यों खाऊं? | आत्म सम्मान

1	वह एक बड़े सांप का पीछा कर रही थी।	
2	वो कोई धामन-वामन नहीं है, 'नाग है नाग' मैंने उससे कहा तो ! नाग को क्यूँ न पकड़ूँ।	
3	मोइना ने कहा- 'बाबू की बकरियाँ कौन घर लाएगा? और लकड़ी लाना, पानी लाना, चिड़िया पकड़ने का फंदा लगाना, सब कौन करेगा।'	
4	न ही वह अपने को दीन-हीन समझती थी, न ही मालिकों का अहसान मानती थी।	
5	मोइना अपने भाई बहनों को बता रही थी 'एक पेड़ काटो तो दो पेड़ लगाओं' "खाने से पहले हाथ धोओ" जानते हो क्यों ? पेट दर्द हो जाएगा अगर नहीं धोओगे तो । तुम कुछ नहीं जानते। जानते हो क्यों ? क्योंकि तुम स्कूल नहीं जाते।'	

4. मुहावरों का अर्थ व प्रयोग

- मुहावरे का अर्थ समझकर उसका वाक्यों में प्रयोग करना सीख जाएँगे एवं संदर्भानुसार अपने बोलचाल में उसका उपयोग कर सकेंगे।

- मोइना ने मुझे देखा और अपनी बकरी लेकर नौ दो ग्यारह हो गई। नौ-दो-ग्यारह होना का आशय भाग जाना है। इसी तरह अंकों पर आधारित मुहावरे दिए गए है इन मुहावरों का अर्थ ढूँढकर वाक्य में प्रयोग करों–

क्र.	मुहावरा	अर्थ	वाक्य प्रयोग
1	छत्तीस का आकड़ा		
2	चार दिन की चांदनी फिर अंधेरी रात		
3	चार चाँद लगाना		
4	एक से दिन न रहना		
5	पाँचों उंगलिया बराबर नहीं होती		

तृतीय दिवस

(पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)

5. प्रश्न बनाओ

- प्रश्न बनाने व प्रश्न पूछना सीख सकेंगे, तर्क करने में कौशल का विकास होगा।
- प्रश्नों के माध्यम से किसी भी घटना या वस्तुओं के बारे में विस्तार से पता करने के कौशलों का विकास होगा।

- तुम अपने मित्र या सहेली से बातचीत करने के लिए तालिका में दिए गए शब्दों के आधार पर प्रश्न बना कर लिखो -

क्या	क्यों	कैसे	कहाँ	कब	किसका	कितना

6. संज्ञा विशेषण

- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण के बारे में जान पाएँगे।

दिए गए वाक्यों में विशेष्य और विशेषण को पृथक-पृथक करों-

	वाक्य	विशेष्य	विशेषण
उदा.	एक बड़े से साँप का पीछा कर रही थी।	साँप	बड़े
1.	सूरज पास है इसलिए वह बड़ा दिखता है।		
2.	वह स्कूल के अंदर एक मिमियाती बकरी को घसीट रही थी।		
3.	स्कूल में दाखिला लेने वाली पहली लड़की मोइना थी।		
4.	मोइना आदिवासी लड़की थी।		
5.	मैं तो बढ़िया चांवल और मिर्ची वाले केकड़े खाऊँगी।		

7. सोचो और बताओ

- कल्पना करने, तर्क करने, सोचने विचार करने आदि कौशलों का विकास होगा।

- मोइना दिन भर क्यूँ-क्यूँ कर सवाल पूछती रहती है। क्या तुम उसकी बातों से सहमत हो, यदि हाँ तो क्यों और नहीं तो क्यों नहीं।

चतुर्थ दिवस

आकलन

प्र.1-5 नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पर गोला लगाओं -

भाषा, मनुष्य को प्राप्त अद्भुत उपहार है। किसी भी जीव के पास ऐसा उपहार नहीं है, परंतु उनके पास खुद को अभिव्यक्त करने के अपने तरीके हैं। जब एक खरगोश अपने शत्रु को देखता है तो वह दौड़कर अपने बिल में चला जाता है। जब वह दौड़ता है तो उसकी सफेद पूँछ ऊपर-नीचे होती है। दूसरे खरगोश भी यह देखकर दौड़ने लगते हैं। वे जान जाते हैं कि वहाँ खतरा है। जब कोई कोबरा गुस्सा होता है तो वह अपना फन ऊँचा कर लेता है और खुद को खतरनाक बना लेता है। वह इस तरह दूसरे जानवरों को चेतावनी देता है। जब किसी मधुमक्खी को भोजन मिल जाता है, तो वह छत्ते में वापस आती है। वह दूसरी मधुमक्खियों को यह बोलकर नहीं बता सकती कि भोजन कहाँ है, लेकिन वह हवा में एक प्रकार का नृत्य करती है। कुछ जानवर तरह-तरह की आवाजें निकालकर अपनी बात कहते हैं। उदाहरण के लिए, किसी अजनबी को पास देखकर कुत्ता भौंकने लगता है।

प्र.1 अद्भूत उपहार किसे कहा गया है -

(अ) भाषा को (ब) गति को

(स) ज्ञान को (द) अभिव्यक्ति को

प्र.2 कोबरा अपना फन कब ऊपर करता है -

(अ) जब वह खुश होता है। (ब) जब वह गुस्सा होता है।

(स) जब वह दौड़ता है। (द) जब वह नृत्य करता है।

प्र.3 खरगोश खतरे का संकेत कैसे देता है -

(अ) बिल की तरफ दौड़ कर (ब) पूँछ ऊपर-नीचे कर के

(स) आवाजें निकाल कर (द) खास तरह का नृत्य कर के

प्र.4 मधुमक्खी हवा में नृत्य क्यों करती है -

(अ) दूसरी मक्खियों को भोजन के बारे में बताने के लिए

(ब) प्रसन्नता प्रकट करने के लिए

(स) भोजन पचाने के लिए

(द) खतरे के बारे में बताने के लिए

प्र.5 यह अनुच्छेद किस के बारे में है-

(अ) जानवरों को होने वाले खतरों। (ब) जानवर और मनुष्यों में अंतर।

(स) जानवर द्वारा अपनी रक्षा। (द) जानवर द्वारा अपनी बात बताने।

टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।

आकलन प्रपत्र

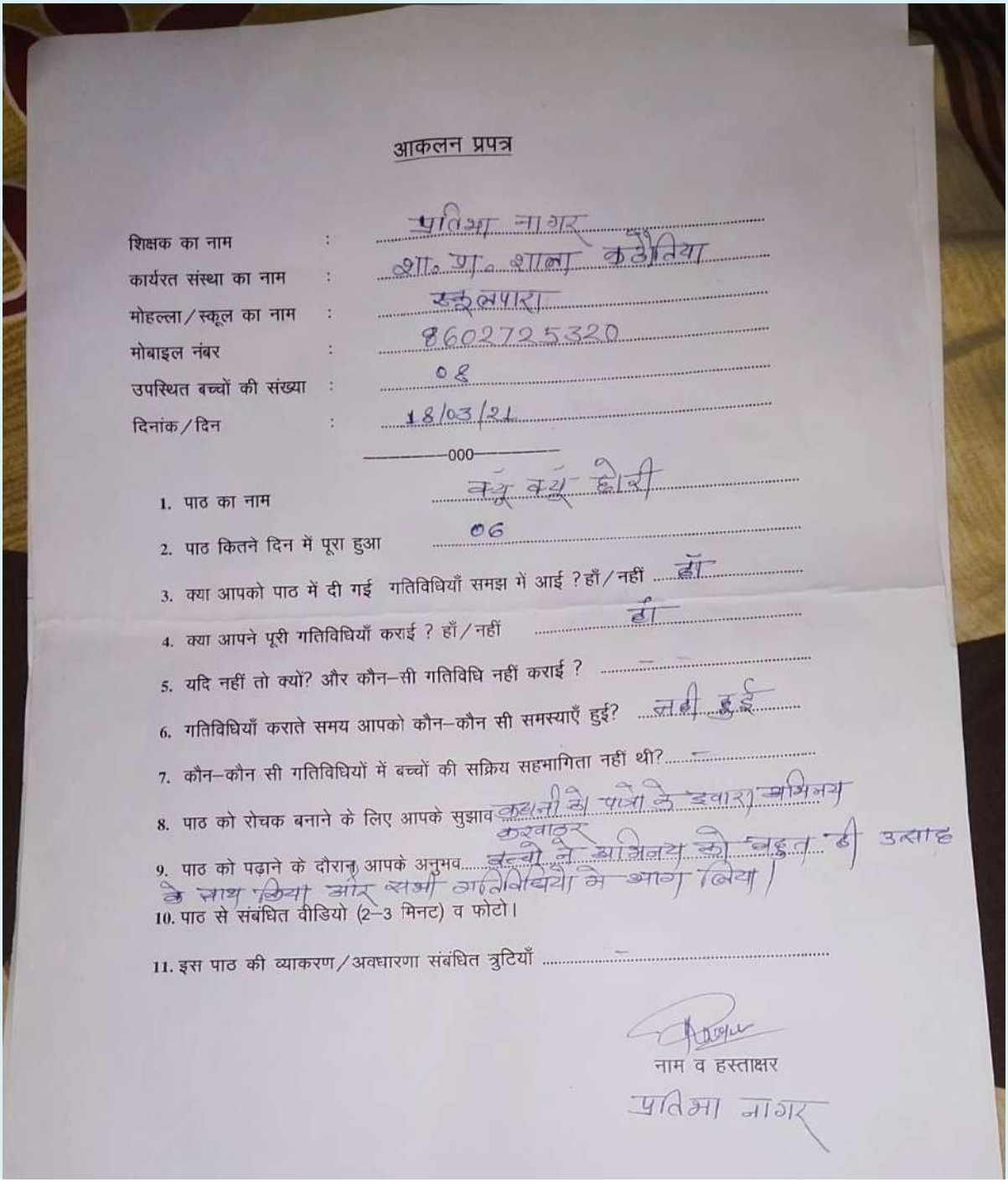

शिक्षक का नाम : प्रतिभा नागर

कार्यरत संस्था का नाम : शा. प्रा. शाला कठौतिया

मोहल्ला/स्कूल का नाम : स्कूलपारा

मोबाइल नंबर : 8602725320

उपस्थित बच्चों की संख्या : 08

दिनांक/दिन : 18/03/21

———000———

1. पाठ का नाम क्यूं क्यूं छोरी
2. पाठ कितने दिन में पूरा हुआ 06
3. क्या आपको पाठ में दी गई गतिविधियाँ समझ में आई ? हाँ/नहीं हाँ
4. क्या आपने पूरी गतिविधियाँ कराई ? हाँ/नहीं हाँ
5. यदि नहीं तो क्यों? और कौन–सी गतिविधि नहीं कराई ? —
6. गतिविधियाँ कराते समय आपको कौन–कौन सी समस्याएँ हुई? नहीं हुई
7. कौन–कौन सी गतिविधियों में बच्चों की सक्रिय सहभागिता नहीं थी? —
8. पाठ को रोचक बनाने के लिए आपके सुझाव कहानी के पात्रों के द्वारा अभिनय करवाकर
9. पाठ को पढ़ाने के दौरान आपके अनुभव बच्चो ने अभिनय को बहुत ही उत्साह के साथ किया और सभी गतिविधियो मे भाग लिया।
10. पाठ से संबंधित वीडियो (2–3 मिनट) व फोटो।
11. इस पाठ की व्याकरण/अवधारणा संबंधित त्रुटियाँ —

नाम व हस्ताक्षर

प्रतिभा नागर

पाठ 10

सुनीता का पहिया कुर्सी

लर्निंग आउटकम्स	**LH501, LH502, LH504, LH507, LH508, LH509, LH510, LH513, LH515, LH516**

गतिविधि	गतिविधि क्यों करें ?	गतिविधि कैसे करें ?
प्रथम दिवस		
1. पाठ के शीर्षक और चित्रों पर चर्चा	• बच्चे पाठ के विषय में अनुमान लगा पाएँगे।	बच्चों को निर्देश दे कि वे पाठ का शीर्षक पढ़ें और किताब में दिए गए चित्रों का अवलोकन करें - • चित्र में तुम्हें क्या–क्या दिखाई दे रहा है ? • बच्ची कुर्सी पर क्यों बैठी होगी ? • कुछ लड़के आपस में क्या बाते कर रहें होंगे? • **'सुनीता का पहिया कुर्सी'** से तुम क्या समझते हैं? • क्या तुमने कभी किसी को पहिया कुर्सी की सहायता से स्कूल आते देखा है?
2. पाठ का वाचन	• बच्चे पाठ का आदर्श वाचन करना सीख जाएंगे। • बच्चो में पाठ की समझ बढ़ेगी।	• शिक्षक स्वयं पाठ का आदर्श वाचन करें। • बच्चों से स्वतंत्र रूप से, जोड़ों में या समूह में वाचन कराएँ।
द्वितीय दिवस **(प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)**		
3. पाठ पर चर्चा	• पाठ पर चर्चा करने पर पाठ के विषय में समझ बढ़ेगी, नवीन विषय की जानकारी, मिलेगी। • बातचीत का कौशल विकसित होगा। • तर्क करने, विश्लेषण करने के कौशलों का विकास होगा।	**शिक्षक पाठ की समझ विकसित करने हेतु निम्नलिखित प्रश्नों पर चर्चा कर लिखने कहे -** प्रश्न - सुनीता चलने फिरने के लिए किसकी मदद लेती थी? उत्तर - ..... प्रश्न - सुनीता के अचार की बोतल माँगने पर माँ ने यह क्यों कहा कि अलमारी में रखी है, ले लो। उत्तर - ..... प्रश्न - सुनीता को सड़क की जिदंगी देखने में मजा क्यों आता था? उत्तर - ..... प्रश्न - रास्ते में लोग सुनीता की ओर क्यों देख रहे थे? उत्तर - .....

		प्रश्न - सुनीता दूसरे बच्चों से क्यों अलग नहीं है ? उत्तर - ..... प्रश्न - सुनीता को दुकानदार का व्यवहार क्यों अच्छा नहीं लगा? उत्तर - ..... प्रश्न - सुनीता यदि तुम्हारे विद्यालय में आए तो तुम उसके साथ कैसा व्यवहार करोगे और क्यों? उत्तर - .....
4. सही विकल्प चुनों	• बच्चों में अवलोकन करने, तर्क करने के कौशल का विकास होगा। • पाठ पर समझ बनेगी।	**सही विकल्प पर गोला लगाओ –** **1. सुनीता की आँखो में चमक आ गई क्योंकि –** (अ) वह माँ केसाथ बाजार जा रही थी (ब) माँ ने उसे सामान लाने कहा था (स) माँ ने उसे नाश्ता दिया था (द) पहली बार वह अकेले बाजार जा रही थी **2. सुनीता की माँ ने सुनीता से क्यों कहा कि वह आचार की बोतल आलमारी में है ले लो –** (अ) वह काम में व्यस्त थी (ब) उसे बाजार जाना था (स) वह सुनीता को आत्म निर्भर बनाना चाहती थी (द) वह काम करते हुए थक चुकी थी **3. सुनीता ने ऐसा क्यों कहा कि वह दूसरे बच्चों से अलग नहीं है क्योंकि –** (अ) वह सारे काम स्वयं कर सकती थी (ब) वह लड़की थी (स) वह बाजार अकेली गई थी (द) उसने स्वयं सड़क पार की थी **4. खेल के मैदान में एक लड़की सुनीता को <u>टुकुर-टुकुर</u> देख रही थी इस वाक्य में रेखांकित शब्द का अर्थ है –** (अ) गुस्से से देखना (ब) एक टक देखना (स) आश्चर्य से देखना (द) मुस्कुरा कर देखना **5. लोग मेरे साथ ऐसा व्यवहार करते है जैसे कि मैं कोई <u>अजीबों गरीब</u> लड़की हूँ इस वाक्य में रेखांकित शब्द है–** (अ) संज्ञा (ब) सर्वनाम (स) विशेषण (द) क्रिया

तृतीय दिवस (पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)		
5. भावार्थ	• बच्चे पाठ में दिए गए वाक्यों के भावार्थ को समझकर अपने शब्दों में बता पाएँगे।	• **तुमनें 'सुनीता का पहिया कुर्सी' कहानी पढ़ी। अब दिए गए वाक्यों को अपने शब्दों में समझाओ-** 1. 'लोग मेरे साथ ऐसा व्यवहार क्यों करते है जैसे कि मैं कोई अजीबो गरीब लड़की हूँ' **भावार्थ -** ..... 2. सुनीता ने गुस्से से कहा मैं भी दूसरों की तरह खुद अपने आप सामान ले सकती हूँ। **भावार्थ -** ..... 3. रास्ते में कई लोग सुनीता को देखकर मुस्कुराएं, जबकि वह उन्हें जानती तक नहीं थी। सुनीता यह देखकर सोचने लगी ये सब मेरी तरफ क्यों देख रहे है। **भावार्थ -** .....
6. सोचो और बताओं	• बच्चे विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों की भावनाओं और आवश्यकताओं को समझेंगे और उनके प्रति सकारात्मक व्यवहार रखेंगे।	• अमित को लड़के छोटू कह कर चिढा रहे थे, तुम वहाँ होते तो क्या करते। • फरीदा पहिया कुर्सी के बारे में जानना चाहती थी, पर उसकी माँ ने उसे रोक दिया, क्या फरीदा की माँ ने ठीक किया- तुम्हें क्या लगता है?

चतुर्थ दिवस

आकलन

- सुनीता जैसे कई बच्चे हैं इनमें से कुछ देख नहीं सकते, कुछ सुन नहीं सकते, कुछ चल नहीं सकते क्या ऐसे कुछ बच्चे तुम्हारे स्कूल में है। उन बच्चों को किन-किन बातों में परेशानी होती होगी, उसकी परेशानियाँ कम हो इसके लिए तुम क्या-क्या कर सकते हो ?
- नीचे दी गई रिपोर्ट को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें-

किशोर ने बच्चों को बचाया

गाजियाबाद : कहते हैं कि जाको राखे साइयाँ, मार सके ना कोय। यह कहावत चिरंजीव विहार के पास बने रेलवे ट्रैक पर खेल रहे दो बच्चों पर चरितार्थ हुई।

नेत्रापाल और उसकी पत्नी ममता चिरंजीव विहार में कपड़े प्रेस करने का काम करते हैं। सुबह उनके दोनों बच्चे, पाँच वर्षीय कृष्णा और आठ वर्षीय पीयूष चिरंजीव विहार रेलवे ट्रैक पर खेलने लगे। खेल में दोनों बच्चे इस कदर मगन हो गए कि उन्हें दूर से आती रेल का पता ही नहीं चला। उसी दौरान चिरंजीव विहार का रहने वाला 17 वर्षीय चिरायु वहाँ से गुजर रहा था। जब उसने ट्रेन के हॉर्न की आवाज सुनी तो बच्चों को वहाँ से हटने के लिए शोर मचाया, मगर बच्चों पर कोई असर नहीं हुआ। ट्रेन को नजदीक आते देख चिरायु ने अपनी जान की परवाह न करते हुए तेजी से भागकर एक बच्चे को

ट्रैक से दूसरी तरफ धकेल दिया और एक बच्चे को गोद में लेकर दूसरी तरफ कूद गया। इसी दौरान ट्रेन तेजी से गुजर गई। इस घटना को देखकर लोग अवाक रह गए। लोगों ने चिरायु की बहादुरी की प्रशंसा की।

प्र. 1. ''जाको राखें साइयाँ, मार सके न कोय'' इस कहावत का प्रयोग इस समाचार में किसके लिए किया गया है?

(अ) नेत्रापाल के लिए (ब) ममता के लिए

(स) चिरायु के लिए (द) कृष्णा और पीयूष के लिए

प्र.2. समाचार के शीर्षक में 'किशोर' किसे कहा गया है?

(अ) नेत्रापाल को (ब) चिरायु को

(स) कृष्णा को (द) पीयूष को

प्र.3. लोग हैरान क्यों हो गए?

(अ) चिरायु की कम उम्र के कारण। (ब) बच्चों की लापरवाही के कारण।

(स) ट्रेन की तेज आवाज के कारण। (द) दुर्घटना के टलने के कारण।

प्र.4. ट्रेन के गुजरने से ठीक पहले क्या हुआ था?

(अ) चिरायु ट्रैक के दूसरी तरफ कूदा था। (ब) चिरायु ने एक बच्चे को धकेला था।

(स) लोगों ने चिरायु की प्रशंसा की थी। (द) चिरायु वहाँ से गुजरा था।

प्र.5. यह विवरण है -

(अ) विज्ञापन (ब) सूचना

(स) समाचार (द) साक्षात्कार

टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।

शिक्षक का अनुभव

गतिविधि क्रमांक 4 – सही विकल्प चुनें

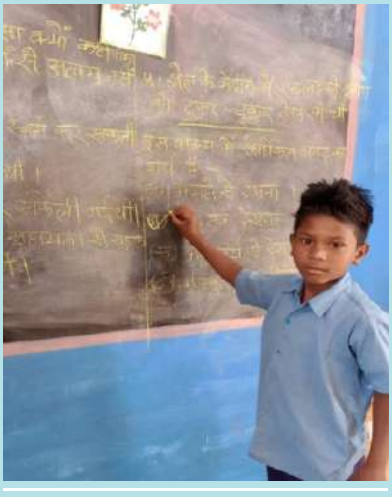

गतिविधि क्रमांक 5 – भावार्थ

पाठ 11

महामानव

लर्निंग आउटकम्स	**LH501, LH502, LH504, LH507, LH508, LH509, LH510, LH513, LH515, LH516**

गतिविधि	गतिविधि क्यों करें ?	गतिविधि कैसे करें ?
प्रथम दिवस		
1. पाठ के शीर्षक एवं पूर्व ज्ञान पर चर्चा	• पाठ के शीर्षक और बच्चों के पूर्व ज्ञान पर चर्चा करने पर बच्चों का पाठ से जुड़ाव होगा। • बच्चों के पूर्व ज्ञान को कक्षा में स्थान मिलेगा।	**महामानव का आशय है महान व्यक्ति, जिन्होंने बहुत अच्छा कार्य किया हो। आज हम ऐसे ही महान व्यक्ति के बारे में पढ़ेगें।** • क्या आप कुछ ऐसे महान व्यक्तियों के नाम जानते हो जिन्होंने देश और समाज के लिए बहुत अच्छा काम किया है ? उनके नाम बताइए।
2. पाठ का आदर्श वाचन	• शिक्षक पाठ का आदर्श वाचन करें।	• शिक्षक पाठ का आदर्श वाचन करें, बच्चों से भी पाठ का वाचन कराएंगे।
द्वितीय दिवस **(प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)**		
3. पाठ पर बातचीत	• पाठ पर चर्चा करने पर बच्चे चर्चा में सहभागी बनेंगे। उनका अभिव्यक्ति कौशल बढ़ेगा। • बच्चों में नैतिक कौशल का विकास होगा और वे एक-दूसरे से सहयोग करना सीखेंगे।	शिक्षक दिए गए प्रश्नों पर चर्चा कर उन्हें उत्तर देने के लिए प्रेरित करें और उन्हें अपनी कॉपी में लिखने कहे। शिक्षक कॉपी को चेक करे। बच्चों द्वारा लिखे गए प्रश्नों के उत्तर को कक्षा में सुनाने के अवसर दे। यथासंभव गलत उत्तरों पर बच्चों से चर्चा करें। प्रश्न - नखलिस्तान में बुढ़िया क्या कर रही थी ? उत्तर - ..... प्रश्न - लेखक ने राहगीर को महामानव क्यों कहा? उत्तर - ..... प्रश्न - बुढ़िया को किस प्रकार की सहायता चाहिए थी ? उत्तर - ..... प्रश्न - बुढ़िया की सहायता करने के लिए कौन आया ? उत्तर - ..... प्रश्न - बुढ़िया ने राहगीर से किससे बच कर रहने को कहा और क्यों? उत्तर - .....

		प्रश्न – जहाँ एक गरीब बुढ़िया रहती थी उस देश का नाम है अरब था। इसी तरह कोई भी 5 और देशों के नाम लिखो? उत्तर - .....
4. सोचो और बताओ	• बच्चे, सर्वे कैसे करे ? इसकी जानकारी हो जाएगी। • बच्चों में सोचने, तर्क करने, विश्लेषण करने का कौशल विकसित होगा।	प्रश्न – बुढ़िया राहगीर के बारे में पहले से जानती तो क्या उसकी सहायता लेती ? उत्तर - ..... प्रश्न – तुम किस तरह के कामों में अपने परिचितों से मदद लेना चाहोगे और क्यों ? उत्तर - .....
तृतीय दिवस (पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)		
5. स्वयं करके देखो	• स्वयं करके सीखने से बच्चों में सर्वे करना, तालिका बनाना, निष्कर्ष निकालना आदि कौशलों से परिचित हो सकेंगे।	• तुम्हारे घर के आस-पास के लोग क्या जलाकर खाना बनाते है? ऐसे 10 परिवारों का सर्वे करो व तालिका भरो – **क्र.** | **परिवार का नाम** | **भोजन पकाने के साधन** तुम्हारे द्वारा भरी गई तालिका को देखकर बताओ – 1. सबसे ज्यादा भोजन पकाने में ..... इंधन का प्रयोग किया जाता है। 2. सबसे कम ..... इंधन का प्रयोग खाना पकाने में किया जाता है।
6. शब्दावली और व्याकरण	• पाठ में आए नवीन शब्दों से बच्चों का परिचय होगा। वे इनका वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे। • शब्दों के विलोम शब्द को समझ पाएँगे। • वाक्य संरचना को समझ पाएंगे और अपने दैनिक जीवन में लिंग के अनुसार बोल-चाल में उपयोग कर पाएँगे।	पाठ में आए नवीन शब्दों को ब्लैक बोर्ड में लिख कर उनके अर्थ लिखें एवं वाक्यों में प्रयोग कर कक्षा में अभ्यास कराएं - जैसे - नखलिस्तान, राहगीर, सर्द, अचरज • **नीचे लिखे शब्दों के विलोम शब्द लिखो –** जैसे – सूखी- गीली वजनदार - ..... बड़ी - ..... झुकना - ..... शांत - ..... कमजोर - ..... विश्वास - ..... भला - ..... गलत - .....

		• सुशांत और रेखा आपस में बातचीत कर रही थी। उनके वाक्यों में कुछ अशुद्धियाँ हैं तुम उसे सुधार कर लिखो – **पात्र** | **अशुद्ध वाक्य** | **शुद्ध वाक्य** सुशांत – रेखा, तुम्हारा हिन्दी की किताब कहाँ है ? | | रेखा – भाई, मेरे सहेली के घर छोड़ दिया हूँ। | | सुशांत – तो तू आज अपना होमवर्क कैसे करेगा ? | | रेखा – शाम तक मेरी सहेली वापस कर देगा। | | • बढ़ी अम्मा को सामने से एक बिना जान-पहचान का आदमी आते दिखा जिसे 'अजनबी' कहा जाता है। तुम सोचो और लिखो की इन्हें एक शब्द में क्या कहेंगे– राह चलने वाला - ..... जिसके पास धन न हो - ..... जो स्वतंत्र न हो - ..... जादू दिखाने वाला - .....
7. प्रश्न बनाओ	• बच्चों में प्रश्न बनाने के कौशल का विकास होगा।	बच्चों को उत्तर लिखवाए, फिर उनमें बच्चों को प्रश्न बनाने को कहें। बच्चों द्वारा बनाए गए निम्नांकित प्रश्नो पर भिन्न-भिन्न तरीके से चर्चा कराएँ - • बुढ़िया की सहायता करने वाले इस्लाम धर्म के प्रवर्तक हजरत मोहम्मद थे। प्रश्न – ..... • मरूस्थल प्रदेश में स्थित हरा-भरा स्थल जहाँ पेड़-पौधे उगते है, नखलिस्तान कहलाता है। प्रश्न – .....

चतुर्थ दिवस

आकलन –

- इस पाठ में राहगीर की जगह तुम होते तो क्या बुढ़िया की मद्द करते ? यदि हाँ तो क्यों और नहीं तो क्यों नहीं।
- क्या किसी ने तुम्हारी मद्द की है ? अपने शब्दों में लिखो।
- नीचे दी गई कहानी को पढ़कर सही विकल्प पर गोला लगाओ -

दो भाई

दो भाई थे। बड़े की शादी हो गई थी और उसके दो बच्चे थे। छोटा अभी कुँवारा था। दोनों ने मिलकर खेत में गेहूँ बोया। जब फसल तैयार हो गई तो उसकी कटाई की। फिर अनाज को आधा-आधा बाँट लिया। बस अब गेहूँ को घर ले जाना बचा था। रात हो गई थी। दोनों फसल की रखवाली के लिए खलिहान पर रुक गए। उन्हें भूख लगी थी। वे बारी-बारी से खाना खाने घर गए। पहले बड़ा भाई गया। छोटे भाई ने सोचा ''बड़े भाई का तो बड़ा परिवार है, उसे अधिक गेहूँ की जरूरत होगी।'' इसलिए उसने अपने ढेर से कुछ टोकरी गेहूँ बड़े भाई के ढेर में मिला दिया। जब छोटा भाई खाना खाने गया तो बड़े ने सोचा ''छोटा भाई अकेला पला है, उसे देखने वाला कोई नहीं है। उसे अधिक गेहूँ की जरूरत है।'' उसने अपने ढेर से कुछ टोकरी गेहूँ उठाकर छोटे भाई के ढेर में मिला दिया।

प्र.1. दोनों भाई गेहूँ लेकर उसी समय घर क्यों नहीं ले गए -

(अ) गेहूँ ले जाने का कोई साधन नहीं था (ब) रात हो गई थी

(स) वे थक गए थे (द) उन्हें भूख लगी थी

प्र.2. वे बारी-बारी से खाना खाने क्यों गए -

(अ) बड़ा भाई हमेशा पहले खाना खाता था (ब) वे कभी मिलकर खाना नहीं खाते थे

(स) किसी एक को फसल की रखवाली करनी थी (द) छोटे भाई को भूख कम लगी थी

प्र.3. दोनों भाइयों के संबंध कैसे थे -

(अ) वे एक दूसरे से ईर्ष्या करते थे (ब) वे हमेशा झगड़ते रहते थे

(स) वे एक-दूसरे से नाराज रहते थे (द) वे एक-दूसरे का बहुत ख्याल रखते थे

प्र.4. छोटे भाई ने अपने ढेर का थोड़ा गेहूँ बड़े भाई के ढ़ेर में मिला दिया, क्योंकि-

(अ) वह बड़े भाई पर बेईमानी का आरोप लगाना चाहता था

(ब) उसे इतने ज़्यादा गेहूँ की जरूरत नहीं थी

(स) वह इतना गेहूँ उठाकर घर नहीं ले जा सकता था

(द) बड़े भाई का परिवार बड़ा था

प्र.5. अंत में दोनों ढेरों के गेहूँ की मात्रा में क्या बदलाव आया -

(अ) दोनों ढेरों में गेहूँ की मात्रा कम हो गई (ब) बड़े भाई के ढेर में गेहूँ की मात्रा बढ़ गई

(स) दोनों ढेर में गेहूँ की मात्रा बराबर रही (द) छोटे भाई के ढेर में गेहूँ की मात्रा बढ़ गई

टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।

शिक्षक का अनुभव - श्री योगेश सिंह राजपूत, शास. प्राथ. शाला गौरखेड़ा

गतिविधि क्रमांक 1 - पाठ के शीर्षक एवं पूर्व ज्ञान पर चर्चा

गतिविधि क्रमांक 3 - पाठ पर बातचीत

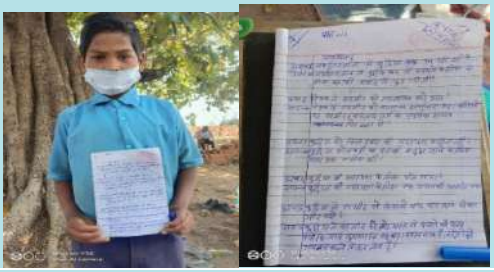

गतिविधि क्रमांक 3 - पाठ पर बातचीत

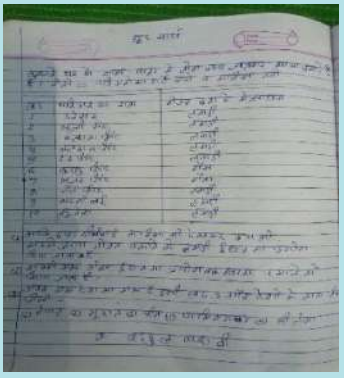

आकलन प्रपत्र

शिक्षक का नाम : योगेश सिंह राजपूत
कार्यरत संस्था का नाम : शास. प्राथ. शाला गौरखेड़ा
मोहल्ला/स्कूल का नाम : शास. प्राथ. शाला गौरखेड़ा
मोबाइल नंबर : 9617343225
उपस्थित बच्चों की संख्या : 08
दिनांक / दिन : 06/03/2021

1. पाठ का नाम – गहगालव
2. पाठ कितने दिन में पूरा हुआ – 04 दिन
3. क्या आपको पाठ में दी गई गतिविधियाँ समझ में आई ? हाँ/नहीं – हाँ
4. क्या आपने पूरी गतिविधियाँ कराई ? हाँ/नहीं – हाँ
5. यदि नहीं तो क्यों ? और कौन सी गतिविधि नहीं कराई ? – –
6. गतिविधियाँ कराते समय आपको कौन कौन सी समस्याएँ हुई ? –
7. कौन कौन सी गतिविधियों में बच्चों की सक्रिय सहभागिता नहीं थी ? –
8. पाठ को रोचक बनाने के लिए आपके सुझाव – बच्चों को जानवरों के बारे में हमेशा जानकारी देते रहना चाहिए।
9. पाठ को पढ़ाने के दौरान आपके अनुभव – बहुत अच्छा रहा।
10. पाठ से संबंधित विडियो (2-3 मिनट) व फोटो / संकलित
11. इस पाठ की व्याकरण/ भाषा संबंधित त्रुटियाँ – निरंक –

योगेश सिंह राजपूत
सहायक शिक्षक

पाठ 12

गुंडाधूर

लर्निंग आउटकम्स	LH501, LH503, LH507, LH508, LH509, LH510, LH511, LH512, LH517

गतिविधि	गतिविधि क्यों करें ?	गतिविधि कैसे करें ?
	प्रथम दिवस	
1. पाठ के चित्र एवं शीर्षक पर चर्चा	• पाठ के शीर्षक पर चर्चा करने से बच्चे पाठ के संबंध में अनुमान लगा सकेंगे। • बच्चों की पाठ पर समझ बढ़ेगी एवं कल्पनाशीलता का विकास होगा।	**बच्चों से पाठ के शीर्षक पर चर्चा करें-** • देश की आजादी में भाग लेने वाले कुछ सेनानियों के नाम बताएँ। • गुंडाधूर पाठ में किसके बारे में बताया गया होगा ? • क्या आपने वीर नारायण सिंह का नाम सुना है? • चित्र में हाथ में भाला , तीर,धनुष लिए लोग कौन हो सकते हैं ?
2. पाठ का आदर्श वाचन	• बच्चे धारा प्रवाह पढ़ना सीख जाएंगे।	• शिक्षक पाठ को उचित हाव-भाव के साथ पढ़े। • बच्चों से समूह पठन, जोड़ों में पठन, स्वतन्त्र पठन कराएँ।
	द्वितीय दिवस **(प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)**	
3. पाठ पर बातचीत	• पाठ पर समझ एवं रुचि बढ़ेगी।	प्रश्न - इस पाठ में किसके बारे में बताया गया है? उत्तर - ..... प्रश्न - गुंडाधूर कौन था? वह छत्तीसगढ़ राज्य में क्यों प्रसिद्ध है? उत्तर - ..... प्रश्न - बस्तर के आदिवासियों की विशेषताएँ बताओ। उत्तर - ..... प्रश्न - बस्तर के निवासियों के लिए वन का क्या महत्व है? उत्तर - ..... प्रश्न - बस्तर के लोगों ने तत्कालीन शासन व्यवस्था के विरूद्ध सशस्त्र विद्रोह क्यों किया? उत्तर - ..... प्रश्न - बस्तर के आदिवासियों ने अंग्रेजों के विरूद्ध विद्रोह किया। इस विद्रोह का क्या नाम था। उत्तर - .....

4. पता करो और लिखो

- बच्चे में खोजने की प्रवृत्ति का विकास होगा।
- भूमकाल आंदोलन को विस्तार से समझ पाएँगे।

पता करो और लिखो –

• भूमकाल क्या है ?	.....
• भूमकाल के प्रणेता कौन थे ?	
• भूमकाल कब और कहाँ आरंभ हुआ ?	
• इस आंदोलन का प्रतीक क्या था?	
• इस आंदोलन का उद्देश्य क्या था?	
• आंदोलन के दौरान किनके-किनके मध्य विद्रोह हुआ ?	
• भूमकाल के लोगों में शास्त्र क्या थे ?	
• भूमकाल असफल क्यों हुआ?	
• इस आंदोलन से आदिवासियों को क्या फायदा हुआ ?	

तृतीय दिवस
(पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)

5. सही जोड़ी बनाओ

- सोचने, समझने और तर्क करने के क्षमता का विकास होगा।

सही जोड़ी बनाओ –

बस्तर का दीवान	–	प्रतीक चिह्न
राजा की सौतेलियाँ	–	कुटल नीतियाँ
विश्वास घाती आदिवासी	–	सुवर्ण कुँवर
डारा मिरी	–	बैजनाथ पंडा
अलनार	–	बस्तर का गाँव

6. शब्दावली विकास

- बच्चे नए-नए शब्द जान पाएँगे और दैनिक जीवन में उनका उपयोग कर पाएँगे।

दिए गए शब्दों में समानार्थी शब्दों के सही विकल्प पर गोला लगाओ –

- निष्कपट =
  (अ) दरवाजा
  (ब) बिना कपट के
  (स) चालाक
- पिट्ठू =
  (अ) समर्थक
  (ब) सैनिक
  (स) बोझा ढोने वाला
- आंगतुक =
  (अ) आने वाला
  (ब) जाने वाला
  (स) रहने वाला

		• सूदखोर = (अ) सूत काटने वाला (ब) ब्याज का व्यापार करने वाला (स) हरामखोरी करने वाला
7. वर्ग पहेली	• अवलोकन करने, तर्क करने के कौशलों का विकास होगा।	**निर्देशानुसार -** • **वाक्यों को पढ़कर वर्ग पहेली भरो –** **बाँये से दाँए -** 1. अंग्रेजों के विद्रोह को कुचलने के लिए भेजा (6) 2. भूमकाल का प्रतीक चिह्न (4) 3. बस्तर का प्रसिद्ध आदिवासी आंदोलन (4) 4. जनता जिनके नीतियों से त्रस्त थी (6) 5. भूमकाल का विद्रोह हुआ (3) 6. आदिवासियों को जगदलपुर में फाँसी दी गई (5) 7. आदिवासी में आम की टहनियों को कहा जाता है (2) **ऊपर से नीचे –** 1. आदिवासियों ने जिनके साथ विद्रोह किया। (3) 2. बस्तर के एक गाँव में आदिवासियों एवं अंग्रेजों की मुढ़भेठ हुई। (4) 3. एक क्रांतिकारी वीर नेता जिनके नाम पर छत्तीसगढ़ सरकार खेल पुरस्कार देती है। (4) 4. आदिवासी का एक शस्त्र जिससे उन्होंने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी थी। (3) 5. आदिवासियों को दातुन, लकड़ी आदि प्राप्त होने का स्थान (3)

1						1
	2				5	
7			2			
3						3
4						
	5					

चतुर्थ दिवस

आकलन

1. मुहावरों का अर्थ बता कर वाक्यों में प्रयोग करो-
   - इस पाठ में आदिवासियों ने संकल्प लिया कि दीवान बैजनाथ पंडा और अंग्रेजो के दमन और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष करेगे और उन्हें जड़ से उखाड़ फेकेंगे।

     रेखांकित शब्द जड़ से उखाड़ फेकना मुहावरा है जिसका अर्थ है समूल नष्ट करना। इसी तरह पाठ में दिए गए मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करो –

क्र.	मुहावरा	अर्थ	वाक्य प्रयोग
1	लाला पीला होना।		
2	आँखे लाल होना।		
3	मंत्रमुग्ध होना।		
4	जड़ से उखाड़ फेंकना।		

2. देश के पाँच क्रांतिकारी वीरों के नाम लिखो।
3. दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दो -

राणा प्रताप

परिचय

राणा प्रताप का जन्म राजस्थान राज्य के उदयपुर नामक स्थान पर हुआ था। जब राणा प्रताप मेवाड़ राज्य के राजा बने उस समय दिल्ली में सम्राट अकबर का शासन था। अकबर मेवाड़ राज्य पर भी अधिकार करना चाहता था। राणा प्रताप ने इसका विरोध किया। फलस्वरूप अकबर ने राणा प्रताप के विरुद्ध युद्ध छेड़ दिया। हल्दीघाटी के मैदान में दोनों की सेनायें आमने सामने आ डटी। राणा प्रताप की सेना वीरता से लड़ी किन्तु अन्त में अकबर की सेना से घिर गई। अपने एक सैनिक माना झाला की मदद से राणा प्रताप शत्रु के हाथ नहीं आए। युद्ध में उनका प्रिय घोड़ा चेतक घायल हो गया और उसकी मृत्यु हो गई।

राणा प्रताप मेवाड़ की स्वतन्त्रता के लिये जंगल-जंगल भटके। उन्होंने अकबर के सामने घुटने नहीं टेके। वे आजादी से प्यार करने वाले एक वीर राजा थे।

1. हल्दीघाटी के युद्ध में -

   (अ) राणा प्रताप मारे गए (ब) राणा प्रताप शत्रु के हाथ नहीं आए

   (स) अकबर मारे गए (द) दोनों में संधि हो गई

2. घुटने टेकना का आशय है -

   (अ) डटे रहना (ब) हार मानना

   (स) हार न मानना (द) सामना करना

3. "राणा प्रताप की सेना वीरता से लड़ी।" रेखांकित शब्द है -

   (अ) विशेषण (ब) संज्ञा

   (स) सर्वनाम (द) क्रिया

4. हल्दी घाटी का युद्ध हुआ था -

(अ) शाहजहाँ और राणा प्रताप (ब) पृथ्वीराज और अकबर

(स) बाबर और राणा प्रताप (द) अकबर और राणा के बीच

5. चेतक कौन था-

(अ) महाराणा प्रताप का सैनिक (ब) महाराणा प्रताप का घोड़ा

(स) महाराणा प्रताप का सम्राट (द) महाराणा प्रताप का शत्रु

6. 'युद्ध में राणा प्रताप का प्रिय घोड़ा चेतक घायल हो गया है' इसमें प्रिय घोड़ा है-

(अ) व्यक्तिवाचक संज्ञा (ब) भाववाचक संज्ञा

(स) जातिवाचक संज्ञा (द) समूहवाचक संज्ञा

टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।

शिक्षक का अनुभव – श्री चक्रधर द्विवेदी, शास. प्राथ. शाला मुकमुकी

गतिविधि क्रमांक 1 -
पाठ के चित्र एवं शीर्षक पर चर्चा

गतिविधि क्रमांक 2 –
पाठ का आदर्श वाचन

गतिविधि क्रमांक 3 –
पाठ पर बातचीत

गतिविधि क्रमांक 5 - सही जोड़ी बनाओ

आकलन प्रपत्र

शिक्षक का नाम : चक्रधर द्विवेदी
कार्यरत संस्था का नाम : शा० प्राथमिक शाला मुकमुखी
मोहल्ला / स्कूल का नाम : मासापारा
मोबाइल नंबर : 9977254815
उपस्थित बच्चों की संख्या : 06
दिनांक / दिन : 16-03-2021

———000———

1. पाठ का नाम .... गुन्डाधुर
2. पाठ कितने दिन में पूरा हुआ .... 2 दिन में
3. क्या आपको पाठ में दी गई गतिविधियाँ समझ में आई ? हाँ / नहीं .... हाँ
4. क्या आपने पूरी गतिविधियाँ कराई ? हाँ / नहीं .... हाँ
5. यदि नहीं तो क्यों? और कौन–सी गतिविधि नहीं कराई ? .... —
6. गतिविधियाँ कराते समय आपको कौन–कौन सी समस्याएँ हुई? कुछ कठिन शब्दों में
7. कौन–कौन सी गतिविधियों में बच्चों की सक्रिय सहभागिता नहीं थी? सभी
8. पाठ को रोचक बनाने के लिए आपके सुझाव बच्चों को अधिक से अधिक पात्र के रूप में तैयार करना
9. पाठ को पढ़ाने के दौरान आपके अनुभव बच्चों को खूब मजा आया, पात्र के रूप में
10. पाठ से संबंधित वीडियो (2–3 मिनट) व फोटो।
11. इस पाठ की व्याकरण / अवधारणा संबंधित त्रुटियाँ .... उच्चारण में कुछ हुई

नाम व हस्ताक्षर 16·3·2021
चक्रधर द्विवेदी
सहायक शिक्षक (LB)

पाठ 14

रेशम चंदन और सोने की धरती कर्नाटक

लर्निंग आउटकम्स	**LH501, LH503, LH507, LH505, LH508, LH509, LH511, LH512, LH515,LH516, LH517**

गतिविधि	गतिविधि क्यों करें ?	गतिविधि कैसे करें ?
प्रथम दिवस		
1. पूर्व ज्ञान पर चर्चा	• बच्चे अपने देश व विभिन्न राज्यों के नामों से परिचित होगें। • अपने राज्य के दर्शनीय स्थलों से परिचित होगें।	**शिक्षक कक्षा में भारत का नक्शा दिखाकर उस पर चर्चा करें।** **नक्शा देखकर बताओ -** 1. यह किस देश का नक्शा है ? 2. नक्शे मैं कौन-कौन से राज्य दिख रहे है? नाम बताओ। 3. तुम किस राज्य में रहते हो? नक्शे में ढूँढ़ो। 4. कर्नाटक राज्य कहाँ है? 5. हमारे राज्य में कौन-कौन से देखने योग्य स्थान है ?
2. पाठ का आदर्श वाचन	• बच्चे शुद्ध उच्चारण से पाठ पढ़ना सीख सकेंगे। जोड़ो व समूह पठन कराने से बच्चे एक दूसरे से जल्दी सीख सीखेंगे।	• शिक्षक शुद्ध उच्चारण के साथ एक-एक पैराग्राम पढ़कर चर्चा करे, फिर बच्चों को समूह में पढ़ने के लिए कहें।
द्वितीय दिवस **(प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)**		

3. पाठ पर बातचीत	• कर्नाटक राज्य की संस्कृति से परिचित हो जाएगे ।	**खाली स्थान भरो -** 1. बगीचों का शहर ..... को कहते है। 2. श्रणय बेलगोला में ..... की विशाल प्रतिमा है। 3. इसरो में ..... है। 4. भारत का सबसे बड़ा जलप्रपात ..... है। 5. कर्नाटक के वनों में ..... के वृक्ष पाए जाते है। **शिक्षक बच्चो से नक्शा दिखाकर निम्नलिखित प्रश्न पूछे एवं उन्हें कॉपी में लिखने कहें -** 1. कर्नाटक भारत के किस क्षेत्र में स्थित है? उत्तर - ..... 2. कर्नाटक राज्य से लगे राज्यों के नाम, दिशावार लिखो। 3. कर्नाटक राज्य को रेशम, चंदन और सोने की धरती क्यों कहा जाता है? उत्तर - ..... 4. कर्नाटक के वनों की मुख्य विशेषता क्या हैं? उत्तर - ..... 5. कर्नाटक राज्य में श्रवण बेल गोला क्यों प्रसिद्ध है? उत्तर - .....
4. लिंग पहचान		पाठ से संबंधित कुछ वाक्यों के लिंग दिए गए है। इसमें रेखांकित शब्दों के लिंग पहचानों और लिखो - **उदा.** - मैसूर के पास की चांमुडी हिल नायक पहाड़ी है (स्त्रीलिंग) • बंगलौर का लाल बाग बहुत प्रसिद्ध है। (...) • चंदन की लकड़ियाँ यहाँ बहुतायत से पाई जाती हैं। (...) • यहाँ अनेक प्रकार की सुंदर मछलियाँ पाई जाती है। (...) • मैसूर के रेशम से बनी साड़ियाँ देश-विदेश में प्रसिद्ध है। (...)

दिशा	राज्य
उत्तर	.....
दक्षिण	.....
पूर्व	.....
पश्चिम	.....

5. शब्दों के शुद्ध रूप

- शब्दों को शुद्ध रूप से पढ़ना व लिखना समझ पायेंगे।

दिए गए शब्दों के शुद्ध रुप लिखो -

शब्द	शुद्ध रुप
सपर्श	.....
अग्रनी	.....
महाराष्ट	.....
दसतकारी	.....
पाराणिक	.....
साड़ीयाँ	.....

तृतीय दिवस
(पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)

6. कर्नाटक राज्य के स्थानों की विशेषता

- कर्नाटक राज्यों के प्रसिद्ध स्थानों की विशेषता जान पायेंगे।

कर्नाटक में अनेक स्थान है जो न सिर्फ भारत में बल्कि विदेशों में भी प्रसिद्ध है, ये क्यों प्रसिद्ध है इनका क्या विशेषता है बताओ-

- मैसूर .....
- कावेरी नदी .....
- गोमतेश्वर .....
- वृदावंन उद्यान .....

कर्नाटक के बारे में निम्नलिखित बिन्दुओं में लिखो-

- प्रमुख शहर .....
- प्रमुख उद्योग .....
- प्रमुख बंदरगाह .....
- प्रमुख दर्शनीय स्थल .....
- प्रसिद्ध लोक नाट्य .....

7. अंतर बताओ

- छत्तीसगढ़ एवं कर्नाटक राज्य में समानता एवं अंतर को समझ पाएंगे।

दी गई तालिका को भरो और बताओं कि किस तरह दोनों की संस्कृति अलग-अलग होते हुए भी वे अनेकता में एकता हमारे देश की विशेषता है।

	छत्तीसगढ़	कर्नाटक
भाषा	छत्तीसगढ़ी	
भोजन		
पहनावा		
व्यवसाय		
मुद्रा		

		वनसंपदा		

चतुर्थ दिवस

आकलन

- दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर पर गोला लगाओ।

तुम लोगो ने भारत के नक्शे में कर्नाटक राज्य के पड़ोसी राज्यों को जाना। अब नक्शा देखकर छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा से लगे राज्यों के नाम दिशावार लिखो -

दिशा	पड़ोसी राज्य
उत्तर	
दक्षिण	
पूर्व	
पश्चिम	

- सही विकल्प चुनकर गोला लगाओं

1. दक्षिण भारत का मुख्य राज्य है -

   (अ) कर्नाटक (ब) छत्तीसगढ़

   (स) मध्यप्रदेश (द) महाराष्ट्र

2. कर्नाटक की संपन्नता का कारण है -

   (अ) बांदोपुर टाइगर रिजर्व (ब) सोने की खान चंदन व रेशम

   (स) हुबली बंदरगाह (द) इसरो उपग्रह केंद्र

3. धोतरा है -

   (अ) पुरूष का पहनावा (ब) चंदन का वृक्ष

   (स) सोने की खान (द) सांबर व रसम

4. पौराणिक कथाओं पर अभिनय के साथ प्रस्तुत किया जाता है -

   (अ) महामस्ताभिषेक (ब) दशहरा पर्व उत्सव

   (स) मुण्डेश्वरी पूजा (द) यक्षगान

5. कृष्णराज सागर है -

   (अ) बाँध (ब) जलप्रपात

   (स) नदी (द) बंदरगाह

टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।

शिक्षक का अनुभव -

गतिविधि क्रमांक – 4 लिंग पहचान

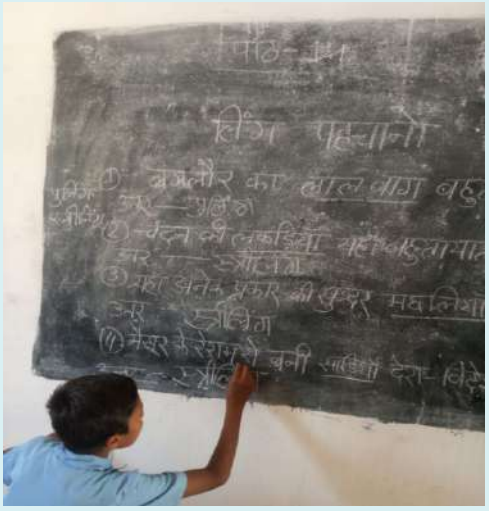

गतिविधि क्रमांक - 5 शब्दों के शुद्ध रूप

पाठ 15

एक और गुरु दक्षिणा

लर्निंग आउटकम्स	LH501, LH502, LH503, LH507, LH508, LH509, LH511, LH515

<table>
<tr><th>गतिविधि</th><th>गतिविधियाँ क्यों करें ?</th><th>गतिविधियाँ कैसे करें ?</th></tr>
<tr><td colspan="3">प्रथम दिवस</td></tr>
<tr><td>1. पाठ के शीर्षक एवं पूर्व ज्ञान पर चर्चा</td><td>• बच्चों के परिवेश और संदर्भ को कक्षा में जगह मिल सकेगी।
• वे पाठ के साथ जुड़ सकेंगे।
• बच्चों में पाठ के प्रति उत्सुकता जगेगी।</td><td>इसके लिए कुछ सवाल निम्नानुसार हो सकते हैं –
• स्कूल बनने से पहले लोग कहाँ पढ़ाई करते थे ?
• सोचकर बताओ यदि तुम्हें स्कूल में ही रहकर पढ़ना पड़े तो कैसा होगा ?
• गुरु द्रोणाचार्य के बारे में यदि किसी ने सुना हो तो बताओ ?</td></tr>
<tr><td>2. कहानी का सारांश</td><td>• बच्चों में कहानी पढ़ने व सुनने की प्रवृत्ति बढ़ेगी।
• पाठ के अर्थ को समझने में मदद मिलेगी।</td><td>• शिक्षक कहानी को हाव-भाव के साथ सुनाएँ। कहानी सुनाते समय अनुमान लगाने के प्रश्न भी पूछे। नए शब्दों को श्यामपट पर लिखे तथा उसका अर्थ भी बताएँ। सारांश बताने के उपरांत बच्चों का समूह बनाकर या जोड़ो में पठन करने कहें।</td></tr>
<tr><td colspan="3">द्वितीय दिवस
(प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)</td></tr>
<tr><td>3. पाठ पर बातचीत</td><td>• बच्चों में अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।</td><td>शिक्षक बच्चों से चर्चा करेंगे।
• इस कहानी के मुख्य पात्र कौन-कौन हैं ?
उत्तर - ....
• इस कहानी में किसके बारे में बताया गया है ?
उत्तर - ....
• ऋषि को कौन-सा शिष्य सबसे अधिक पंसद आया और क्यों?
उत्तर - ....
• इस कहानी में तुम्हें कौन-सा शिष्य सबसे अच्छा लगा और क्यों?
उत्तर - ....</td></tr>
<tr><td>4. कहानी को नाटक के रूप में अभिनय</td><td>• बच्चे कहानी के पात्रों से परिचित हो पाएँगे।
• बच्चों में अभिनय कौशल का विकास होगा।</td><td>• शिक्षक बच्चों को पाठ में आए पात्रों के आधार पर बांटकर कक्षा में पाठ का अभिनय करवाएंगे।
<table><tr><th></th><th>पात्र का नाम</th><th>किससे संवाद किया</th><th>क्या कहा</th></tr><tr><td>उदा.</td><td>ऋषि</td><td>तीनों शिष्यों से</td><td>तुम तीनों अलग-अलग दिशाओं में जाओ और</td></tr></table></td></tr>
</table>

					अपने श्रम से कमाकर लाओ।

तृतीय दिवस
(पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)

5. विलोम शब्द बनाना	• विलोम शब्दों की सहायता से नए शब्द बना पाएँगे।	**जिस तरह से मूल्यवान का विलोम शब्द बनता है – मूल्यहीन उसी तरह से नीचे लिखे वाक्यों में रेखांकित शब्दों के विलोम शब्द बनाओ-** 1. कमला **योग्य** थी,पर रमा ..... 2. तीनों आदमी **परिश्रमी** थे। वे .....नहीं थे। 3. वह **पुरानी** घड़ी थी,यह ..... घड़ी है।
6. सही जोड़ी बनाओ	• इतिहास में प्रसिद्ध गुरु-शिष्यों के सही नामों का ज्ञान होगा।	**इतिहास में प्रसिद्ध गुरु-शिष्यों के सही नामों का पता कर सही जोड़ी बनाओ –** छत्रपति शिवाजी - रामकृष्ण परमहंस स्वामी विवेकानंद - समर्थ रामदास महाराज चन्द्रगुप्त मौर्य - द्रोणाचार्य रामचन्द्र - महर्षि विश्वामित्र अर्जुन - चाणक्य

चतुर्थ दिवस

आकलन

- तुम्हारे गाँव/शहर में सरकार द्वारा किए जा रहे कोई एक जनहित कार्य अपने बड़े-बुजुर्गों से पता करके लिखो।
- दिए गए गद्यांश को पढ़कर सही विकल्प पर गोला लगाओ -

गुरू दक्षिणा

एकलव्य एक आदिवासी बालक था। वह गुरू द्रोणाचार्य से धर्नुविद्या सीखना चाहता था किन्तु द्रोणाचार्य केवल क्षत्रिय राजपूतों को शिक्षा देते थे। उन्होंने एकलव्य को शिक्षा देने से मना कर दिया।

एकलव्य द्रोणाचार्य की मिट्टी की मूर्ति बनाकर अभ्यास करने लगा। उसकी एकाग्रता ने उसे दक्ष धर्नुधर बना दिया। अभ्यास करते-करते वह अर्जुन से भी बेहतरीन धर्नुधर बन गया। जब गुरू द्रोणाचार्य को पता चला कि एक आदिवासी बालक उनकी मूर्ति बनाकर उसी को गुरु मानकर अभ्यास करता है, तो उन्होंने दक्षिणा के रूप में एकलव्य से दाहिने हाथ का अंगूठा माँगा। एकलव्य जानता था कि अंगूठा कटने पर वह कभी भी धनुष नहीं चला पाएगा। किन्तु उसके बिना कुछ कहे अपना अंगूठा काटकर गुरू दक्षिणा के रूप में समर्पित कर दिया। द्रोणाचार्य उसकी गुरू भक्ति देखकर बहुत खुश हुए।

1. धर्नुधर विद्या में दक्ष होने के लिए आवश्यक है -

(अ) धनुष बाण की (ब) एकाग्रता की

(स) मित्र की (द) गुरू की

2. द्रोणाचार्य ने एकलव्य को धनुष विद्या सिखाने से मना कर दिया क्योंकि -

(अ) एकलव्य बहुत छोटा था (ब) उसके पास पैसे नहीं थे

(स) वह जंगल में रहता था (द) वह क्षत्रिय नहीं था

3. द्रोणाचार्य किस विद्या की शिक्षा देते थे-

(अ) धर्नुविद्या (ब) गदा संचालन

(स) मल्ल युद्ध (द) तलवार बाजी

4. एकलव्य ने द्रोणाचार्य की मूर्ति क्यों बनाई-

(अ) वह अच्छा मूर्तिकार था (ब) गुरू मानकर अभ्यास करने के लिए

(स) बेचने के लिए (द) सजावट के लिए

5. धर्नुविद्या का शाब्दिक अर्थ है -

(अ) घुड़सवारी (ब) तीरंदाजी

(स) बहुत अधिक धन (द) धनधान्य से परिपूर्ण

6. एकलव्य बहुत प्रसिद्ध हुआ -

(अ) गुरू भक्ति के कारण (ब) मूर्ति बनाने के कारण

(स) जंगल में रहने के कारण (द) श्रेष्ठ धर्नुधर बनने के कारण

7. एकलव्य ने कौन सी अंगुली काटकर गुरू को समर्पित की -

(अ) दाँए हाथ की अनामिका को (ब) बाएँ हाथ की मध्यमा अंगुली को

(स) दाहिने हाथ के अंगूठे को (द) बाएं हाथ के अंगूठे को

टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।

पाठ 16

पत्र

लर्निंग आउटकम्स	**LH501, LH505, LH506, LH507, LH508, LH509, LH510, LH511, LH513, LH514, LH515, LH517**

गतिविधि	गतिविधि क्यों करें ?	गतिविधि कैसे करें ?
	प्रथम दिवस	
1. पाठ के शीर्षक एवं पूर्व ज्ञान पर चर्चा	• बच्चे अपने अनुभव बता पाएँगे। पत्र लिखते समय कौन-सी बातें आवश्यक होती हैं, यह समझ पाएँगे।	• यदि हमें कोई सुखद या दुखद समाचार अपने रिश्तेदारों को बताना है तो क्या करते हैं ? • पहले मोबाइल सुविधा नहीं थी तब लोग समाचार देने के लिए क्या करते थे ? • पत्र क्यों लिखते हैं ? बड़ों को पत्र लिखते समय संबोधन में क्या लिखते हैं ? • अपने से छोटो को पत्र लिखते समय संबोधन में क्या लिखते है ?
2. पाठ का वाचन	• बच्चे पाठ में दी गई जानकारी को समझ पाएँगे। • पाठ में आये कठिन शब्दों से परिचित हो पाएँगे।	शिक्षक बच्चों को बारी-बारी से पाठ पढ़ने कहें। पाठ पढ़ने उपरांत समूह बनाकर पाठ में कठिन शब्द व प्रश्न बनाने कहें।
	द्वितीय दिवस **(प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)**	
3. शिक्षक कथन	• शिक्षक पत्र के बारे में विस्तार से बताएँ। जिससे बच्चे पत्र कैसे लिखते हैं यह समझ पाएंगे।	**बच्चों द्वारा बनाए गए प्रश्नों पर चर्चा करें। चर्चा के दौरान बताएं कि पत्र में 3 मुख्य भाग होते है-** **1. ऊपरी भाग** – जिसे पत्र प्राप्त होगा उसका नाम एवं संबोधन होता है। **2. मध्य भाग** – यह भाग दोनों भागों की अपेक्षा बड़ा व महत्वपूर्ण होता है। इस भाग में जो बात हमें बतानी होती है उसे लिखा जाता है । अंत में यथा योग्य संबोधन करते हुए पत्र समाप्त किया जाता है तथा नीचे भेजने वाले का नाम होता है। **3. अंतिम भाग** - इस भाग में जिसको पत्र भेजा जाता है उसका पूर्ण पता एवं पिन कोड होता है। सभी पत्रों का प्रारूप लगभग एक जैसा होता है, किन्तु कार्यालयीन पत्रों, आवेदन पत्रों में थोड़ा अंतर होता है।

4. पाठ पर बातचीत	• पाठ पर बातचीत करने से बच्चे तर्क करके सोचकर चिंतन कर प्रश्नों के उत्तर दे पाएगा जिससे उनके भाषायी कौशलों का विकास होगा। • बच्चे पत्र कैसे लिखते है यह समझ सकेंगे।	**पाठ में दिए गए पत्र के बारे में बताओ –** • पत्र के प्रथम भाग में क्या-क्या दिया गया है ? उत्तर - ..... • पत्र के मध्य भाग में किसके बारे में बताया गया है। उत्तर - ..... • पत्र एवं आवेदन पत्र में क्या अंतर होता है ? उत्तर - ..... • पत्र के अंतिम भाग में क्या लिखा गया है ? उत्तर - ..... • **जब आप अपने शिक्षक को छुट्टी के लिए आवेदन पत्र लिखोगे तो क्या-क्या लिखोगे -**

सबसे ऊपर भाग में	.....
मध्य भाग में	.....
अंतिम भाग में	.....

• सरिता ने श्वेता को पत्र के माध्यम से किसकी जानकारी दी?
उत्तर - .....

• आपने ट्रेन तो अवश्य देखी होगी एवं इस पाठ में तुम लोगों ने मेट्रो ट्रेन के बारे में जाना अब दोनों ट्रेनों में क्या अंतर है बताओ -

ट्रेन	मेट्रो ट्रेन

• मेट्रो ट्रेन चलने से क्या-क्या फायदे हो सकते है ?
उत्तर - .....

तृतीय दिवस

(पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)

5. एकवचन-बहुवचन	• बच्चे एकवचन से बहुवचन एवं बहुवचन से एकवचन बनाने के नियम समझ पाएँगे।	• **दिये गए शब्दों को वचनों में बदलों -**

लड़की		
	तितलियाँ	
साड़ी		
	पत्तियाँ	
चिट्ठी		
	कलियाँ	

6. काल	• बच्चे काल के प्रकार व उसका उपयोग करने के नियम समझ सकेंगे।	**दिये गए वाक्यों के काल पहचानो एवं निर्देशानुसार काल बदलो** –

क्र.	वाक्य	काल	परिवर्तित काल
1	कोरोना के कारण हमारी शालाएँ बंद है।	वर्तमान	भूतकाल
2	जून में हमारी शालाएँ यथावत आरंभ हो जाएगी।		वर्तमान काल
3	मैं मोहल्ला क्लास में पढ़ने जाता था।		वर्तमान काल
4	मेरी बहन की शादी दिसम्बर माह में है।		भूतकाल

चतुर्थ दिवस

आकलन

- दिए गए पत्र को पढ़कर सही विकल्प पर गोला लगाओ।

नानी को पत्र

प्यारी नानी प्रणाम,

मैं यहाँ अच्छी हूँ। आशा है, आप लोग भी वहाँ अच्छे होंगे। मेरी परीक्षा के रिजल्ट आ गए है। अब मैं कक्षा पांचवी में बैठती हूँ। शुरू-शुरू में मुझे डर लग रहा था क्योंकि पुस्तकें बदलने वाली थी। अब मुझे नई पुस्तकें मिल चुकी हैं। पहले की पुस्तकें बहुत मोटी थी पर अब मुझे पतली-पतली चार पुस्तकें मिली हैं। ये पुस्तकें रंगीन हैं। इनमें मेरे पसंदीदा कार्टून की तरह के चित्र हैं। अच्छी-अच्छी कविताएँ और कहानियाँ हैं। मुझे इन पुस्तकों को पढ़ने में बहुत मजा आ रहा है।

मेरी हिंदी की पुस्तक में 'सुनीता की पहिया कुर्सी' नाम का एक पाठ है। यह पाठ मुझे बहुत पसंद है। जब आप हमारे घर आएँगी, तब मैं आपको यह पढ़कर सुनाऊँगी।

आपकी प्यारी छुटकी।

प्रश्न 1:- छुटकी ने पत्र किसे लिखा -

(क) नानी को (ख) दादी को

(ग) माँ को (घ) बहन को

प्रश्न 2:- छुटकी को पुस्तकें मजेदार क्यों लगी -

(क) पुस्तकें मोटी थीं (ख) पुस्तकें नई थीं

(ग) पुस्तकें बदल गई थीं (घ) पुस्तकें रंगीन थीं

प्रश्न 3:- छुटकी को पहले डर क्यों लग रहा था -

(क) पुस्तकें नहीं मिल रही थीं (ख) पुस्तकों में कम चित्र थे

(ग) पुस्तकें बदलने वाली थीं (घ) पुस्तकों में कहानियाँ नहीं थी

प्रश्न 4:- इस पत्र में छुटकी मुख्य स्प से किस के बारे में बात कर रही हैं -

(क) अपने रिजल्ट के बारे में (ख) पुस्तकों के बदलने के बारे में

(ग) किसी पाठ के बारे में (घ) अपनी परीक्षा के बारे में

प्रश्न 5:- पत्र के अनुसार छुटकी और नानी के बीच संबंध कैसा है -

(क) डर भरा (ख) स्नेह भरा

(ग) ईर्ष्या भरा (घ) गुस्सा भरा

टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।

पाठ 18

हार नहीं होती

लर्निंग आउटकम्स	**LH508, LH509, LH501, LH503, LH506, LH507, LH508, LH509, LH510, LH511, LH514, LH515, LH516**

गतिविधि	गतिविधि क्यों करें ?	गतिविधि कैसे करें ?
	प्रथम दिवस	
1. पाठ के चित्र एवं शीर्षक पर चर्चा	• कक्षा में बच्चों की सहभागिता बढ़ेगी। पाठ के संबंध में अनुमान लगा पाएंगे। • पाठ में दिए गए चित्रों पर बातचीत करने पर कविता के प्रति समझ और जिज्ञासा का विकास होगा।	• इस कविता में किस-किस के चित्र दिए गए हैं? • आदमी क्या कर रहा है ? • कविता में नाव और नाविक का चित्र क्यों दिया गया होगा? • चींटी किस गुण के कारण जानी जाती है? • इस पाठ का शीर्षक 'हार नहीं होती' क्यों रखा गया होगा? • 'हार नहीं होती' इस वाक्य से तुम क्या समझते हो? • किस तरह के लोगों की हार नहीं होती?
2. कविता को हाव-भाव के साथ पढ़े।	• कविता पर बच्चों की समझ व रूचि बढ़ेगी।	• कविता को पहले स्वयं हाव-भाव के साथ सुनाएँ। • फिर बच्चों के साथ मिलकर कविता को हाव-भाव के साथ पढ़े। • कक्षा में जोड़े में या समूह में कविता का वाचन कराएँ।
	द्वितीय दिवस **(प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)**	
3. कविता पर बातचीत	• कक्षा में कविता पर बातचीत करने पर बच्चों को अपनी बात कहने और दूसरों को सुनने के मौके मिलेंगे। • सुनने और बोलने के कौशलों का विकास होगा। • कविता पर समझ बनेगी ।	कविता पठन के पश्चात शिक्षक पाठ की समझ हेतु कविता के भावार्थ को बताएँ, फिर बच्चों से प्रश्न पूछें- • कवि के अनुसार जीवन में सफल होने के लिए हमें क्या करना चाहिए? • जब तक सफल न हो 'नींद चैन त्यागों तुम' इन पंक्तियों की व्याख्या करो। • चींटी से हमें क्या प्रेरणा मिलती है? • 'मन का विश्वास रगो में साहस भरता है' का अर्थ स्पष्ट करो।

<table>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>

कोशिश करने वालों की 'हार नहीं होती', इस पंक्ति से तुम क्या समझते हो।
चींटी किस प्रकार का साहस दिखाती है?
'मिलते न सहज ही मोती गहरे पानी में' इस पंक्ति का अर्थ अपने शब्दों में बताओ।
जीवन में कभी असफल हो, तो क्या करना चाहिए?
कवि नींद का त्याग करने को क्यों कह रहे हैं?

</td>
</tr>
<tr>
<td>4. विलोम शब्द</td>
<td>

विलोम शब्दों पर चर्चा और अभ्यास करने पर बच्चे विलोम शब्दों को पहचान कर दैनिक जीवन में उनका उपयोग कर सकेंगे।

</td>
<td>

दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखो -

<table>
<tr><th>शब्द</th><th>विलोम</th></tr>
<tr><td>हार</td><td>.....</td></tr>
<tr><td>विश्वास</td><td>.....</td></tr>
<tr><td>सफलता</td><td>.....</td></tr>
<tr><td>स्वीकार</td><td>.....</td></tr>
<tr><td>चैन</td><td>.....</td></tr>
</table>
</td>
</tr>
<tr>
<td>5. मुहावरे</td>
<td>

विभिन्न मुहावरों को जानेगे व यथा स्थान उसका उपयोग करना सीख पाएँगे।

</td>
<td>
डुबकियाँ सिंधु में गोताखोर लगाता है,
जा-जाकर <u>खाली हाथ</u> लौटकर आता है।
इसमें रेखांकित शब्द मुहावरा है जिसका अर्थ सफलता प्राप्त न होना है। इसी तरह हाथ से संबंधित कुछ मुहावरे नीचे दिए गए है उनक अर्थ बताकर वाक्यों में प्रयोग करो –
<table>
<tr><th>मुहावरा</th><th>अर्थ</th><th>वाक्य</th></tr>
<tr><td>1. हाथ कंगन को आरसी क्या
2. हाथ की सफाई
3. हाथ धोकर पीछे पड़ना
4. दाहिना हाथ
5. हाथ मलना
6. हाथ बटाना
7. हाथ पर हाथ धरे बैठना</td><td></td><td></td></tr>
</table>
</td>
</tr>
</table>

तृतीय दिवस
(पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)

6. पंक्तियों के भावार्थ

- पंक्तियों के भावाथ को समझ पाएँगे।
- सौंदर्यबोध का विकास होगा।

दी गई पंक्तियों का अर्थ अपने शब्दों में बताओ –

पंक्तियाँ	अर्थ	वाक्य
• लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती • नन्ही चींटी जब दाना लेकर चलती है। बढ़ती दीवारों पर सौ बार फिसलता है। • कुछ दिए बिना जय जय कार नहीं होती।		

7. शुद्ध शब्द चुनकर लिखना।

- बच्चे अशुद्ध एवं शुद्ध शब्दों के मध्य से शुद्ध शब्द की पहचान कर पांएगे।
- भाषा के शुद्ध स्वरूप से परिचित होंगे।

- शिक्षक बच्चों से शब्दों के शुद्ध रूपों की पहचान कराएँ-

चुनौति, नोका, महेनत, कोशीश, गौताखौर, मुट्ठी।

उदा.

अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द
नोका चुनौति महेनत कोशीश गौताखौर मुट्ठी	नौका

8. शुद्ध – अशुद्ध रूप

- बच्चे शुद्ध एवं अशुद्ध शब्दों में पहचान करना सीख पाएँगे।

- सुरेखा ने जब अपनी कक्षा में **'हार नहीं होती'** कविता को गलत गाया। तुम इसे सुधार कर गाओ–

क्र.	अशुद्ध रूप	शुद्ध रूप
1	लहरों से पार नहीं होती डरकर नौका	
	हार नहीं होती कोशिश करने वालों की	
2	गोताखोर लगाता है डुबकियाँ सिंधु में	
	खाली हाथ आता है लौटकर जा जाकर	
3	असफलता स्वीकार करे एक चुनौती है	
	देखो और सुधार करो क्या कमी रह गई	

चतुर्थ दिवस

आकलन

- प्रश्नों के उत्तर दो-
  1. इस कविता को अनुच्छेद के रूप में कॉपी में लिखो और कक्षा में चर्चा करो।
  2. दिए गए गद्यांश को पढ़कर सही विकल्प पर गोला लगाओ -

क्या बनना चाहते हैं?

अमित - मुझे बताने में बेहद खुशी हो रही है, कि इस वर्ष मैंने कुश्ती-प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। मेरी माता जी को मेरा कुश्ती करना अच्छा नहीं लगता किन्तु पिता जी मुझे प्रोत्साहित करते हैं। एक दिन मैं भी पहलवान बन कर कुश्ती में भारत का नाम रोशन करना चाहता हूँ।

पिंकी - मुझे कहानी पढ़ने का शौक है। कहानी के बहाने मैं अपने मन की बातें भी औरों तक पहुँचाती हूँ। विद्यालय से निकलने वाली पत्रिका में मेरी कई कहानियाँ छप चुकी हैं। मेरे शिक्षक तथा घरवालों ने उनकी सराहना की है। बड़ी होकर मैं लेखिका बनाना चाहती हूँ। इस गर्मी की छुट्टियों में मैं प्रेमचंद, शानी, मन्नू भण्डारी, मोहन राकेश आदि कहानीकारों की कहानियाँ पढ़ना चाहती हूँ।

सुनीता - मुझे गाने सुनना और गाना बेहद पसंद है। भविष्य में मैं एक अच्छी गायिका बनना चाहती हूँ। । मैं प्रतिदिन सुरों का रियाज (अभ्यास) भी करती हूँ। मेरे पिता चाहते हैं कि मैं एक अच्छी सरोद वादिका बनूँ। मैंने भी ठान लिया है कि मुझे तो गायिका ही बनना है।

प्रश्न 1:- बच्चों के बीच हो रहे संवाद का विषय है -

(क) खेल (ख) गायन

(ग) रुचि (घ) पाककला

प्रश्न 2:- गायन को निखारने के लिए सुनीता करती है -

(क) सरोद सीखती है। (ख) सुरों का अभ्यास करती है।

(ग) गाना सुनती है। (घ) उपचार कराती है।

प्रश्न 4:- इनमें से वह कौन है, जो अपने मन की बातों को कहानी के द्वारा दूसरों तक प्रकट करता है?

(क) पिंकी (ख) अमित

(ग) सुमित (घ) सुनीता

प्रश्न 5:- इनमें से किसे पिता जी का प्रोत्साहन मिलता है?

(क) अमित (ख) सुनीता

(ग) सुमित (घ) पिंकी

प्रश्न 6:- पार्श्वगायन से आशय है -

(क) गीत बनाना (ख) फिल्मों में गाना

(ग) रियाज करना (घ) सरोद बजाना

प्रश्न 7:- कैरियर को लेकर कौन-से दो बच्चों के परिवार में मत भिन्नता है?

(क) अमित, सुमित (ख) पिंकी, सुमित

(ग) पिंकी, सुनीता (घ) अमित, पिंकी

प्रश्न 8:- बच्चों के बीच चल रहे संवाद का उद्देश्य है -

(क) आपस में बातचीत। (ख) स्वंय को अच्छा बताना।

(ग) इच्छाओं का दमन। (घ) कैरियर चयन का अवसर।

प्रश्न 9:- मन्नू भण्डारी एवं शानी में क्या समानता है?

(क) पहलवान (ख) मास्टर शेफ

(ग) कहानीकार (घ) गायक

प्रश्न 10:- 'नाम रोशन करना' मुहावरे का अर्थ है -

(क) प्रकाश फैलाना (ख) मेहनत करना

(ग) आगे बढ़ना (घ) सम्मान बढ़ाना

टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।

पाठ 19

राष्ट्र प्रहरी

लर्निंग आउटकम्स	**LH501, LH502, LH503, LH505, LH507, LH508, LH509, LH510, LH511,LH513, LH515**

गतिविधि	गतिविधि क्यों करें	गतिविधि कैसे करें
	प्रथम दिवस	
1. पूर्व ज्ञान एवं चित्र पर चर्चा	• बच्चों की सहभागिता होगी। • बच्चे प्रश्नों को सुनकर उसके उत्तर दे पाएँगे। • बच्चों का पाठ से जुड़ाव होगा।	**शिक्षक बच्चों को चित्र देखने कहे -** • चित्र क्र. 1, 2, 3, 4 में क्या दिखाया गया है ? • चित्र क्रमांक 2 किस स्थान का है ? • हमारे देश की रक्षा कौन करता है ? • प्रहरी किसे कहते है ? • राष्ट्र किसे कहते है ? • जो राष्ट्र की रक्षा करता है, उसे क्या कहते है ? • आज हम राष्ट्र पहरी पाठ को पढ़ेगें।
2. पाठ का वाचन	• पाठ को पढ़ने से समझ बनेगी। पाठ में आए शब्दों से परिचित होंगे। • अपने देश व उसकी सेना के बारे में जान पाएँगे।	• शिक्षक पाठ का सारांश बताएं। सेना के तीन अंग वायु सेना, थल सेना एवं जल सेना के बारे में बताएं। सारांश बताने उपरांत बच्चों को पाठ पढ़ने कहें।
	द्वितीय दिवस **(प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)**	
3. पाठ पर बातचीत	• कक्षा में पाठ पर बातचीत करने पर बच्चों को अपनी बात कहने और दूसरों को बात सुनने के मौके मिलेंगे। • सुनने और बोलने के कौशलों का विकास होगा। • पाठ पर समझ बनेगी।	• बच्चों द्वारा पाठ पढ़ने पर शिक्षक अवधारणा की समझ हेतु छोटे-छोटे प्रश्न के माध्यम से चर्चा करे बाद में उसे कॉपी में लिखने कहे। **खाली स्थान भरो -** 1. हमारे देश की सुरक्षा का दायित्व ..... पर होता है। 2. ..... सेना में सैनिकों की संख्या सबसे अधिक होती है। 3. सेना के तीन अंगो का अध्यक्ष .....होता है। 4. नौ सैनिकों का कार्य ..... होता है।

		• ''एक तरफ हिमालय की ठिठुरने वाली सर्दी है तो झुलसा देने वाली गर्मी।'' इस वाक्य का क्या आशय है ? ये वाक्य किसके लिए कहा गया है। अपने शब्दों में लिखो। उत्तर - ..... • जल सेना, थल सेना एवं वायु सेना में क्या अंतर है। दिए गए बिंदुओं के आधार पर बताओ -

	जल सेना	**थल सेना**	**वायु सेना**
वर्दी			
कार्य क्षेत्र			
कार्य			

4. शब्दावली विकास	• बच्चों के शब्द ज्ञान में वृद्धि होगी। नए-नए शब्दों से परिचित होंगे।	• **दिए गए शब्दों में समानार्थी शब्द ढूंढकर जोड़ी बनाओ-** दुर्गम - भोजन सामग्री संकल्प - जागरूकता सरहद - कठिन परवाह - प्रतिक्षा रसद - सीमा सजगता - फिक्र
5. ' ◌ॅ ' मात्रा की पहचान	• ' ◌ॅ ' की मात्रा वाला शब्दों को पहचान पाएँगे।	• वर्दी शब्द में ' ◌ॅ ' की ध्वनि है जिसे वर्ण में ऊपर निशान लगाकर लिखा जाता है। इसी प्रकार के 5 और शब्द ढूंढकर लिखो - जैसे-बर्फी, सर्दी, ..., ..., ...

तृतीय दिवस (पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)		
6. एक अनेक	• बच्चे एकवचन से बहुवचन बनाना सीखेंगे। एकवचन व बहुवचन की वाक्य संरचना से परिचित होंगे।	**कोष्ठक में दिए गए शब्दों के बहुवचनों को खाली स्थान में भरों -** **उदाहरण - हमारे देश की नौ सेना समुद्र तटों की रक्षा करती है। (समुद्र तट)** 1. थल सेना के ..... की वर्दी का रंग मटमैला हरा होता है। (सैनिक) 2. देश की रक्षा में चुने हुए ..... और ..... को प्रशिक्षित किया जाता है। (नवयुवक, नवयुवती) 3. भारतीय ..... सभी प्रकार के आधुनिकतम हथियारों से लैसे हैं। (सेना) 4. भारतीय .....में देशभक्ति, सजगता, धैर्य, अनुशासन का गुण कूट-कूट कर भरा होता है। (सैनिक)
7. सेना की विशेषता	• बच्चे अपने देश की सेनाओ एवं उनकी विशेषताओं के बारे में समझ सकेंगे।	**दिए गए शब्द किस सेना के बारे में है, तालिका में भरो-** बॉक्स में दिए गए शब्दों को थल सेना, जल सेना एवं वायु सेना वाले समूह में छाँटकर लिखो – 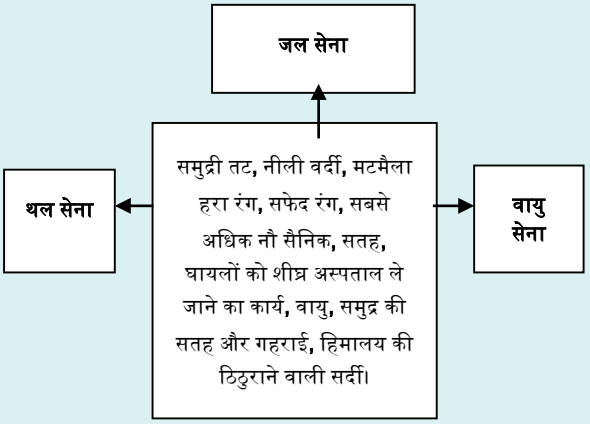

चतुर्थ दिवस

आकलन

- नीचे दिए गए कैलेण्डर को देखो और प्रश्नों के सही विकल्प पर गोला लगाओ-

जनवरी 2021						
रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
					1 नववर्ष	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12 स्वामी विवेकानंद जयंती	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23 नेताजी सुभाषचंद्र बोस जयंती
24	25	26 गणतंत्र दिवस	27	28	29	30
31						

1. 26 जनवरी को क्या था ?
   (क) नववर्ष (ख) स्वामी विवेकानंद जयंती
   (ग) गणतंत्र दिवस (घ) नेताजी सुभाषचंद्र जयंती

2. जनवरी 2021 में कितने रविवार थे ?
   (क) तीन (ख) चार
   (ग) पाँच (घ) छः

3. जनवरी माह के चौथे गुरुवार को कौन-सी तारीख थी ?
   (क) 7 (ख) 28
   (ग) 21 (घ) 14

4. स्वामी विवेकानंद जी की जयंती किस दिन है ?
   (क) मंगलवार (ख) सोमवार
   (ग) शनिवार (घ) बुधवार

5. जनवरी माह में कुल कितने दिन है ?
   (क) 28 (ख) 25
   (ग) 31 (घ) 29

टीप : **शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।**

शिक्षक का अनुभव

गतिविधि क्रमांक 1 - पूर्व ज्ञान एवं चित्र पर चर्चा

गतिविधि क्रमांक 2 - पाठ का वाचन

गतिविधि क्रमांक 3 - पाठ पर बातचीत

गतिविधि क्रमांक 7 - सेना की विशेषता

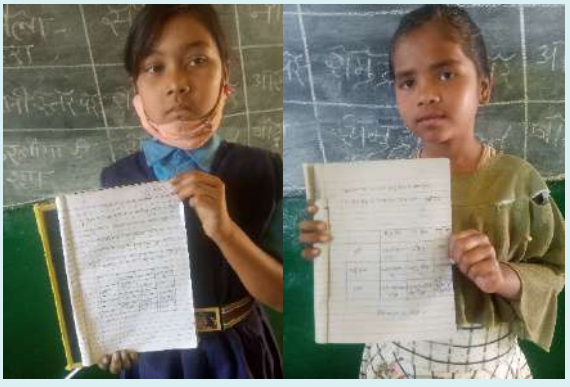

पाठ 20

मस्जिद या पुल

लर्निंग आउटकम्स	LH501, LH502, LH504, LH507, LH508, LH509, LH510, LH511, LH515, LH516, LH503

गतिविधि	गतिविधि क्यों करें ?	गतिविधि कैसे करें ?
प्रथम दिवस		
1. पाठ के शीर्षक एवं पूर्व अनुभव पर चर्चा।	• पाठ के शीर्षक पर चर्चा करने से बच्चे पाठ के संबंध में अनुमान लगा पाएँगे। • पाठ पर समझ बढ़ेगी।	**पाठ के शीर्षक पर बच्चों से चर्चा करें-** • मस्जिद या पुल इस पाठ में किसके बारे में बताया गया होगा? • तुम सभी पूजा-अर्चना करने कहाँ-कहाँ जाते हैं? • क्या तुम ने कोई पुल देखा है? • पुल क्यों बनाए जाते हैं? • क्या तुमने अकबर और बीरबल के किस्से सुने या पढ़े हैं? • क्या तुम बादशाह अकबर के बारे में जानते हो?
2. पाठ का आदर्श वाचन	• बच्चे धारा प्रवाह पढ़ना सीख जाएँगे। • पाठ पर समझ बढ़ेगी। • पाठ पर समझ और रूचि बढ़ेगी।	• शिक्षक हाव-भाव के साथ पाठ का वाचन करें। • बच्चों से जोड़े या समूह में वाचन कराएँ।
द्वितीय दिवस **(प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)**		
3. पाठ पर चर्चा	• पाठ पर समझ बनेगी। • समूह में अपनी बात कह पाएँगे। • मौखिक भाषा का विकास होगा। • कहानी की मुख्य घटना व उसके पात्रों को जान पाएंगे।	**अभी तुमने मस्जिद या पुल के बारे में पढ़ा अब बताओ–** • जोनपुर के सूबेदार मुबारक खान की बरसों पुरानी इच्छा क्या थी? • बादशाह अकबर प्रजा के हाल-चाल का पता कैसे लगाते थे? • बुढ़िया को बादशाह पर गुस्सा क्यों आया? • बुढ़िया की बाते सुनकर बादशाह ने क्या निर्णय लिया? • कोई भी बादशाह जनता में लोकप्रिय क्यों होता है? • पुल किसे कहते है ? इसका क्या उपयोग है? **खाली स्थान भरो -** • अकबर वेश बदलकर ..... का पता लगाते थे। • अकबर को ..... नदी के पास रोने की आवाज आई। • ..... के घर में कोहराम मचा था।

<table>
<tr><td></td><td></td><td>• बादशाह के आँखों में ..... उतर आया।
• बादशाह बुढ़िया का अहसानमंद था क्योंकि उसने बादशाह को ..... और ..... का सबक सिखाया।</td></tr>
<tr><td>4. सोचो और बताओ</td><td>• बच्चे की कल्पनाशीलता का विकास होगा।
• बच्चों में तर्क करने, विश्लेषण करने जैसे- कौशलों का विकास होगा।</td><td>• अगर बुढ़िया बादशाह को पहचान लेती, तो क्या होता?</td></tr>
<tr><td>5. कारण बताते हुए उत्तर दो/लिखो।</td><td>•</td><td>शिक्षक बच्चों से प्रश्न पूछे जो सोचने, तर्क पर आधारित हो –
• बुढ़िया की जगह तुम होते तो क्या करते?
• बादशाह की जगह तुम होते तो क्या करते?</td></tr>
<tr><td colspan="3">तृतीय दिवस
(पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)</td></tr>
<tr><td>6. शब्दावली विकास</td><td>• बच्चों के शब्द ज्ञान में वृद्धि होगी। नए-नए शब्दों से परिचित होंगे ।</td><td>• पाठ में नवीन शब्दों की पहचान कर उनके अर्थ पर कक्षा में चर्चा करें तथा उनका वाक्यों में प्रयोग कराने का अभ्यास कराएँ।
<table>
<tr><th>शब्द</th><th>अर्थ</th><th>वाक्य</th></tr>
<tr><td>साध</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>सुकून</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>मझधार</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>सब्र</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>सानी</td><td></td><td></td></tr>
</table></td></tr>
<tr><td>7. संज्ञा, सर्वनाम व क्रिया विशेषण की समझ</td><td>• व्याकरण पर बच्चों की समझ विकसित होगी। वे दैनिक जीवन में इसका प्रयोग कर सकेंगे।</td><td>• काजल और माधव के गांव में एक तालाब था । दोनों तालाब पर रोज खेलने जाते थे । एक दिन उन्होंने देखा कि तालाब में बहुत सारे बगुले आए हुए थे । काजल और माधव इतने सारे बगुले देखकर बहुत खुश हो गए । उन्होंने तालाब के किनारे पेड़ों पर कुछ घोसले देखें| घोसलों में बगुलों के अंडे थे । अंडे हल्के पीले रंग के और छोटे-बड़े थे। कुछ दिनों बाद अंडों से छोटे-छोटे बगुले निकले | बगुले उनके लिए खाना लेकर आते व बच्चों की चोंच में खाना डालते थे। काजल और माधव को देखने में बड़ा मजा आता था । बच्चे धीरे-धीरे बड़े होने लगे एक दिन सारे बगुले वापस अपने घर चले गए| काजल और माधव को पता था कि अगले साल बगुले फिर आएंगे।</td></tr>
</table>

बच्चों तुमने संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया एवं विशेषण पढ़ा है। अब तुम इस कहानी को ध्यानपूर्वक पढ़कर संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया एवं विशेषण को ढूंढकर तालिका में भरो–

संज्ञा	सर्वनाम	क्रिया	विशेषण

चतुर्थ दिवस
(पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)

8. पता करों

-

कथन	किसका है	किससे कहा	कब कहा
● दुनिया जहान के मालिक अगर तू सचमुच ही लोगों का भला करना चाहता है तो पहले पुल बनाता, मस्जिद नहीं।			
● आज तुमने मेरे बच्चे को भूखा मार दिया।			
● ''चलो भाई! अंधेरा हो गया है। कहीं तुम्हें ठोकर न लग जाए मैं तुम्हें तुम्हारे घर पहुँचा देता हूँ।			
● जी आलमपनाह, यह खूबसूरत और बेमिसाल मस्जिद दुनिया भर में हुजूर की दीनदारी और गरीबी परस्ती का डंका पीट देगी''			
● ''अरे तुझे तो चप्पू भी ठीक से पकड़ना नहीं आता तू पार क्या ले जाएगा।			

9. अभिनय करना	• पाठ पर समझ बढ़ने के साथ-साथ अभिव्यक्ति की क्षमता बढ़ेगी।	• कहानी को नाटक के रूप में तैयार कर कक्षा में बच्चों द्वारा प्रस्तुति कराएँ। इस हेतु पहले पात्रों का चयन करें व उनसे संवाद बोलवाएं।
10. श्रुति लेखन	• बच्चों की शुद्ध लिखने की क्षमता का विकास होगा।	• शिक्षक कक्षा में श्रुति लेख कराएँ।

पंचम दिवस

आकलन

- दिए गए चार्ट को कहानी के आधार पर पूरा करो-

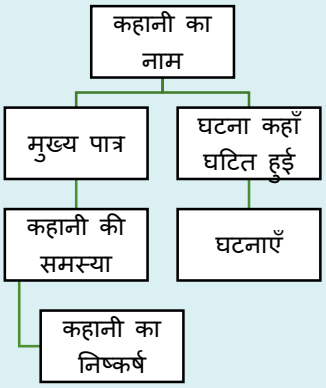

- नदी को पार करने के प्राचीन व नवीन साधनों के नाम लिखो।
- निम्नलिखित शब्दों के अर्थ बता कर उन्हें वाक्यों में प्रयोग करो-
  खुशी, अहसानमंद, रिआया, लिबास, बेमिसाल।

टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।

शिक्षक का अनुभव

गतिविधि क्रमांक 1 - पाठ के शीर्षक एवं पूर्व अनुभव पर चर्चा।

गतिविधि क्रमांक 3 - पाठ पर चर्चा

पाठ 22

महापुरुषों का बचपन

लर्निंग आउटकम्स	LH501, LH503, LH507, LH508, LH509, LH510, LH512, LH515, LH516

गतिविधि	गतिविधि क्यों करें	गतिविधि कैसे करें
प्रथम दिवस		
1. पूर्व ज्ञान पर चर्चा	• पूर्व ज्ञान में चर्चा करने से बच्चों का ध्यान पढ़ने की ओर आकृष्ट होगा। • बच्चे अपने अनुभव सुना पाएंगे एवं दूसरे के अनुभव सुन सकेंगे।	• तुमने पिछली कक्षाओं में बहुत सारे महापुरूषों के बारे में पढ़ा। हमारे स्कूल में भी कई महापुरूषों की जयंतियाँ मनाई जाती है। आज हम महापुरूषों का बचपन कैसा था इस पर जानेंगे। • क्या तुम्हें अपने बचपन की कोई घटना याद है। जिसमें तुम्हें बहुत आनंद आया हो या बुरा लगा हो।
2. आदर्श पाठ का वाचन	• पाठ का सारांश बताने पर बच्चों को पढ़ने में सुविधा होगी। • पाठ के कठिन शब्दों से परिचित हो सकेंगे।	• शिक्षक पूरे पाठ का सारांश बताएँ। • सारांश बताते समय बीच-बीच में बच्चों का अनुमान लगाने के प्रश्न भी पूछे एवं कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ। सारांश बताने के बाद बच्चों को समूह बनाकर पाठ को पढ़ने कहें। • दूसरे दिन बच्चों से स्वत्रंत वाचन करवाएँ।
द्वितीय दिवस **(प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)**		
3. पाठ पर बातचीत	• पाठ पर बातचीत करने से बच्चे पाठ को कितना समझ पाएँ है यह जान सकेंगे। • बच्चे प्रश्नों के उत्तर दे पाएँगे। • नैतिक मूल्यों का विकास होगा।	शिक्षक पहले खाली स्थान के माध्यम से पाठ की समझ के लिए प्रश्न पूछे, उसके पश्चात् समझ आधारित खुले प्रश्नों पर चर्चा कर प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें - **खाली स्थान भरो -** 1. सुल्तान का दरबार .....राज्य में था। 2. ये सुल्तान हमारे अन्नदाता है, उन्हें ..... करो। 3. मोहन ..... के बचपन का नाम था। 4. प्रसंग 3 में ..... के बारे में बताया गया है। 5.बालक मोहन ने ..... शब्द गलत लिखा।

अब बताओ - पाठ के 3 प्रसंगों को पढ़कर तालिका भरो -

प्रसंग	किस महापुरूष के बचपन की घटना थी	घटना क्या थी	कौन सा गुण था
1.			
2.			
3.			

4. किसने, किससे, कब, कहा

- पाठ में दिए गए पात्रों व उनके संवादों को समझ सकेंगे।

वाक्य	किसने कहा	किससे कहा	कब कहा
(क) "तुम्हें भी मेरे साथ दरबार में चलना है।"			
(ख) "मेरा पुत्र असत्य नहीं बोलता।"			
(ग) "हुजूर ! यह अभी बच्चा है।"			
(घ) "मैं दूसरों की चुगली नहीं करता।"			

तृतीय दिवस
(पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)

5. मुहावरों का प्रयोग

- बच्चे पाठ में से मुहावरे ढूंढकर उसका अर्थ बता पाएंगे तथा संदर्भानुसार अपने जीवन में उपयोग करना सीख सकेंगे।

- तुमने पिछले पाठ में कुछ मुहावरों के अर्थ व वाक्य में प्रयोग करना सीखा है। इस पाठ में दिए गए मुहावरें ढूंढकर अर्थ बनाकर वाक्यों में प्रयोग करो-

क्र.	मुहावरा	अर्थ	वाक्य
1.			
2.			
3.			
4.			

6. वाक्य शुद्ध करो

बच्चे शुद्ध शब्द को लिखना व पढ़ना सीख सकेंगे।

संदीप ने अपनी कॉपी में सुलेख लिखते समय बहुत सारी गलतियाँ की है, तुम देखो व गोला लगाओ तथा अपनी कॉपी में सही शब्द लिखो –

- वीद्यालय लगा ता किन्तु कोई शिक्षक नहीं थे। कुछ विद्याथि ने कक्षा में मुगफली खाकर छीलके फैला दिये थे। शिक्षक को यह देखककर बहुत गुससा आया उन्होनों सभी से पूछा-मुगफली के छीलके कीसने फैलाऐ है कीसी भी वीद्यार्थी ने कोई उत्तर नहीं दिया। शीक्षक ने सभी बच्चों को छड़ी से पीटा। सभी बच्चे तीलमीला कर रह गए।

चतुर्थ दिवस

आकलन

- नीचे लिखे अनुच्छेद को पढ़कर सही विकल्प पर गोला लगाओ -

एक बार महाराज रणजीत सिंह कहीं जा रहे थे कि सामने से एक पत्थर आकर उन्हें लगा। सिपाहियों ने चारों ओर नजर दौड़ाई तो एक बुढ़िया दिखाई दी। उसे गिरफ्तार करके महाराज के सामने हाजिर किया गया । बुढ़िया महाराज को देखते ही डर से काँप उठी। बोली, "सरकार! मेरा बच्चा कल से भूखा था। घर में खाने को कुछ न था। पेड़ पर पत्थर मार रही थी कि कुछ बेर तोड़कर उसे खिलाऊँ किन्तु वह पत्थर भूल से आपको आ लगा। मैं गुनहगार हूँ। सरकार! मुझे क्षमा किया जाए।" महाराज ने कुछ देर सोचा और वे बोले "बुढ़िया को एक हजार रूपये देकर सम्मान सहित छोड़ दिया जाए।" यह सुन सारे कर्मचारी अचंभित रह गए। एक कर्मचारी ने सरकार से पूछ ही लिया, "महाराजा! जिसे दंड दिया जाना चाहिए, उसे रूपये दिए" रणजीत सिंह बोले, "यदि पत्थर लगने पर वृक्ष मीठा फल देता है तो रणजीत सिंह उसे खाली हाथ कैसे लौटा सकता है ?"

1. रणजीत सिंह नाम था-
   (अ) बुढ़िया का (ब) कर्मचारी का
   (स) राजा का (द) सरकार का
2. बुढ़िया ने पत्थर किसको मारा था -
   (अ) सैनिक को (ब) पेड़ को
   (स) कर्मचारी को (द) रणजीत सिंह को
3. महाराजा ने बुढ़िया को सम्मान क्यों किया- क्योंकि
   (अ) वृक्ष से देने का भाव सीखा
   (ब) क्योंकि वह बूढ़ी थी
   (स) क्योंकि वह फल तोड़ने में माहिर थी।
   (द) वे बहुत धनी थे।
4. "यदि निर्जीव वृक्ष पत्थर लगने पर मीठा फल देता है तो रणजीत सिंह उसे खाली हाथ कैसे लौटा दे।" इस वाक्य में रेखांकित शब्द है -
   (अ) संज्ञा (ब) क्रिया
   (स) विशेषण (द) सर्वनाम
5. चारों ओर नजर दौड़ाई (इस शब्द का समानार्थी शब्द है)
   (अ) आजू-बाजू देखना -
   (ब) ऊपर-नीचे देखना -
   (स) पीछे देखना -
   (द) अपने चारों ओर देखना -

टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।

पाठ 23

गुरु और चेला

लर्निंग आउटकम्स	LH501, LH503, LH507, LH508, LH509, LH510, LH511, LH512, LH516

गतिविधि	गतिविधि क्यों करें ?	गतिविधि कैसे करें ?
	प्रथम दिवस	
1. कविता के शीर्षक और बच्चों के पूर्व अनुभवों पर चर्चा	• कविता के शीर्षक पर चर्चा करने पर बच्चों का कविता से जुड़ाव बढ़ेगा। • बच्चों के अनुभवों को कक्षा में स्थान मिलेगा।	• गुरू किसे कहते है? • तुम्हारे गुरु का क्या नाम है? • चेला किसे कहते है? • इस कविता का शीर्षक गुरू और चेला क्यों रखा गया होगा?
2. कविता का सस्वर वाचन	• कविता का सस्वर वाचन करने पर बच्चों के पठन कौशल का विकास होगा। • कविता पर समझ का विकास होगा।	• पहले शिक्षक कविता का सस्वर वाचन करें। • बच्चे जोड़ें में, समूह में, या स्वतंत्र रूप से कविता का सस्वर वाचन करें।
	द्वितीय दिवस **(प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)**	
3. कविता पर चर्चा	कविता पर चर्चा करने पर बच्चे कविता के भाव को समझ पाएंगे।	• ग्वालिन ने नगरी के बारे में गुरू और चेले से क्या कहा? • 'टके सेर भाजी टके सेर खाजा' का क्या अर्थ है ? • गुरू इस नगरी में रहना ठीक नहीं समझते, क्यों? • जिस नगरी में गुरू और चेला पहुँचे वह अंधेर नगरी क्यों थी? • राजा ने मंत्री को फाँसी चढ़ाने से क्यों रोका ? • राजा स्वयं फाँसी पर क्यों चढ़ गया ?
4. सोचो और बताओ	• आपस में चर्चा करने पर बच्चों में अपने विचारों को अभिव्यक्त करने का कौशल विकसित होगा। • बच्चों में विचार करने का कौशल विकसित होगा।	• गुरू को क्यों लगा कि अंधेर नगरी मे नहीं रहना चाहिए। • यदि राजा फाँसी पर न चढ़ता तो क्या होता ? • राजा के फाँसी पर चढ़ने से राजा प्रजा खुश क्यों हुई? • यदि फाँसी का फन्दा मंत्री के गले में ठीक आता, तो क्या होता ? • यदि प्रजा राजा से परेशान थी, तो उन्होंने उसे खुद क्यों नहीं हटाया।

तृतीय दिवस
(पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)

5. कविता की पंक्तियाँ पूरी करना	पठन, लेखन कौशल पर बच्चों की समझ विकसित होगी।	• बच्चों को निर्देश दें कि वे खंड अ और ब से कविता के अंश लेकर पंक्तियाँ पूरी करें।

'अ'	'ब'
1. एक गुरु के एक था चेला	1. टके सेर भाजी टके सेर खाजा
2. यह अंधेरे नगरी है अनबूझ राज्य	2. चलो घूमने पास में न था ढेला
3. चला हाट देखने आज चेला	3. बहुत रोज उसने मलाई उड़ाई
4. टके सेर मिलती थी रबड़ी मलाई	4. तो देखा वहाँ अजब रेल पेला

6. कविता की कहानी बनाना	बच्चों में लेखन कौशल का विकास होगा।	• बच्चों में कविता को कहानी के रूप में सुनने के लिए कहे। • अन्य कहानियों में जो बच्चे जानते हो, उन्हें सुनाने को कहें।

चतुर्थ दिवस

आकलन

- 'प्रजा खुश हुई जब मरा मूर्ख राजा' इस पंक्ति का अर्थ स्पष्ट करते हुए बताओ कि एक राजा को कैसा होना चाहिए।
- कोई ऐसा प्रसंग, अनुभव याद करें जिसमें सुझबूझ से बिगड़ा काम बना हो, इसे अपनी कॉपी में लिखो और कक्षा में बच्चों को सुनाओ।
- नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़कर सही विकल्प पर गोला लगाओ -

सुख का अचूक सूत्र

एक व्यक्ति अपने गुरू के पास गया और बोला, गुरूदेव दुःख से छुटने का कोई उपाय बताइए। शिष्य ने थोड़े शब्दों में बहुत बड़ा प्रश्न किया था। दुःखों की दुनिया में जीना लेकिन उसी से मुक्ति का उपाय भी ढूंढना! बहुत मुश्किल प्रश्न था। गुरू ने कहा, एक काम करो, जो आदमी सबसे सुखी है, उसके पहने हुए जूते लेकर आओ। फिर मैं तुझे दुख से छूटने का उपाय बता दूंगा। शिष्य चला गया। एक घर में जाकर पूछा, भाई, तुम तो बहुत सुखी लगते हो। अपने जूते सिर्फ आज के लिए मुझे दे दो। उसने कहा, कमाल करते हो भाई! मेरा पड़ोसी इतना बदमाश है कि क्या कहूं ऐसी स्थिति में मैं सुखी कैसे रह सकता हूं? मैं तो बहुत दुःखी इंसान हूं। वह दूसरे घर गया। दूसरा बोला, क्या कहूं भाई? सुख की तो बात ही मत करो। मैं तो पत्नी की वजह से बहुत परेशान हूं। ऐसी जिंदगी बिताने से तो अच्छा है कि कहीं जाकर साधु बन जाऊँ। सुखी आदमी देखना चाहते हो तो किसी और घर जाओ। वह तीसरे घर गया? चौथे घर गया। किसी की पत्नी के पास गया तो वह पति को क्रूर बताती, पति के पास गया तो वह पत्नी को दोषी कहता। पिता के पास गया तो वह पुत्र को बदमाश बताता। पुत्र के पास गया तो पिता की वजह से खुद को दुःखी बताता। सैकड़ों हजारों घरों के चक्कर लगा आया। सुखी आदमी के जूते मिलना तो दूर खुद के ही जूते घिस गए।

शाम को वह गुरू के पास आया और बोला? मैं तो घूमते-घूमते परेशान हो गया। न तो कोई सुखी मिला और न सुखी आदमी के जूते।

गुरू ने पूछा? लोग क्यों दुखी है? उन्हें किस बात का दुख है?

उसने कहा? किसी का पड़ोसी खराब है। कोई पत्नी से परेशान, कोई पति से दुखी है तो कोई पुत्र से परेशान है। आज हर आदमी दूसरे आदमी के कारण दुःख भोग रहा है।

गुरू ने बताया, सुख का सूत्र है- दूसरे की ओर नहीं, बल्कि अपनी ओर देखो । खुद के अंदर झांको। खुद की काबिलियत पर गौर करो। प्रतिस्पर्द्धा करनी है तो खुद से करो, दूसरों से नही। जीवन तुम्हारी यात्रा है। दूसरों को देखकर अपने रास्ते मत बदलो। खुद को सुनो, खुद को देखो। यही सुख का सूत्र है।

शिष्य बोला, महाराज, बात तो आपकी सत्य है लेकिन यही आप मुझे सुबह भी बता सकते थे। फिर इतना परिक्रमा क्यों करवाई?

गुरू ने कहा, पुत्र सत्य सीधा नहीं पचता। अगर यह बात मैं सुबह बता देता तो तुम हर्गिज नहीं मानते । जब स्वयं अनुभव कर लिया, सबकी परिक्रमा कर ली, सबके चक्कर लगा लिए, तो बात समझ में आ गई। अब ये बात तुम पूरे जीवन में नहीं भूलोगे।

प्रश्न 1 शिष्य अपने गुरू के पास क्यों गया -

(अ) सुख तलाश करने

(ब) दुःख से मुक्ति का उपाय पाने के लिए

(स) स्वयं में सेवा भाव विकसित करने के लिए

(द) बुराईयों का त्याग करने के लिए

प्रश्न 2 गुरू ने शिष्य को दुःख से छूटने के लिए क्या करने को कहा -

(अ) सुखी व्यक्ति के जूते पहन कर आओ

(ब) दुःखी व्यक्ति के जूते पहन कर आओ

(स) प्रतिदिन साधना करो

(द) स्वयं ही दुःख दूर करने का उपाय ढूंढों

प्रश्न 3 'जूते घिस जाना' का अर्थ क्या है-

(अ) जूतें का पुराना हो जाना

(ब) जूतों को अधिक उपयोग करना

(स) कठिन परिश्रम करना

(द) दुःखी हो जाना

प्रश्न 4 गुरू के अनुसार सुख का सूत्र है -

(अ) दूसरों से प्रतिस्पर्धा करना

(ब) दूसरों की सुनना

(स) खुद की काबलियत पर गौर करना

(द) अपने रास्ते बार-बार बदलना

प्रश्न 5 'सत्य सीधा नहीं पचता' का अर्थ है

(अ) सच के दूर भागना

(ब) सच को न जानना

(स) सच की ओर से उदासीन हो जाना

(द) अनुभव के बिना सत्य का स्वीकार न होना

टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।

पाठ 24

बाबा अम्बेडकर

लर्निंग आउटकम्स	LH501, LH502, LH504, LH506, LH507, LH508, LH509, LH510, LH511,LH516

गतिविधि	गतिविधि क्यों करें ?	गतिविधि कैसे करें ?
प्रथम दिवस		
1. पाठ के शीर्षक और बच्चों के पूर्व अनुभवों पर चर्चा	• पाठ के शीर्षक पर चर्चा करने से बच्चे पाठ के संबंध में अनुमान लगा पाएँगे। • पाठ पर बच्चों की समझ बढ़ेगी।	**पाठ के शीर्षक व चित्रों पर चर्चा करें। बच्चों के पूर्व ज्ञान को पाठ के साथ जोड़ते हुए कुछ बातचीत और सरल प्रश्न करें।** • इस पाठ का नाम बाबा अम्बेडकर क्यों रखा गया होगा? • यह चित्र किनका है? • बाबा अम्बेडकर जी ने देश के लिए क्या किया? • क्या आप संविधान शब्द से परिचित है?
2. पाठ का आदर्श वाचन	• बच्चे धारा प्रवाह पढ़ना सीख जाएंगे। • पाठ पर समझ बढ़ेगी। • पाठ पर बच्चों की समझ और रूचि बढ़ेगी।	• पहले स्वयं वाचन करें। बच्चे से समूह में, जोड़े में या स्वतंत्र वाचन कराएँ। अब कक्षा में पाठ पर चर्चा करें।
द्वितीय दिवस **(प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)**		
3. पाठ पर बातचीत	• पाठ पर बातचीत करने पर पाठ के विषय में समझ बढ़ेगी, नवीन विषय की जानकारी, मिलेगी। • बातचीत का कौशल विकसित होगा। • तर्क करने, विश्लेषण करने के कौशलों का विकास होगा।	**(अ) खाली स्थान भरो –** 1. इतिहास की सच्ची जानकारी देने के लिए ..... किताब लिखी। 2. ..... बाबा साहब ने अभूतपूर्व परिश्रम किया। 3. बाबा साहब ने ..... नामक समाचार पत्र निकाला। 4. वे देश को ..... और ..... समाज के प्राण थे। 5. डॉ. अम्बेडकर ने देश को ..... से छुटकारा दिलवाया। **(ब)** • इस पाठ में किस महान व्यक्ति के बारे में बताया गया है? • बड़ौदा के राजमार्ग पर पेड़ के नीचे बैठ कर युवक फूट-फूट कर क्यों रो रहा था? • बाबा अम्बेडकर समाज की किस कुप्रथा से दु:खी थे? • छुआ-छूत की बुराई से लड़ने के लिए अम्बेडकर बाबा ने कौन-सा साप्ताहिक पत्र निकालना आरंभ किया? • देश के प्रथम कानून मंत्री कौन थे?

(स) निम्न तिथियों में क्या हुआ था –

तिथि	क्या हुआ
14 अप्रैल 1891	
सन 1916	
सन 1923	
27 मई 1935	
15 अगस्त 1947	
सन 1955	
6 दिसम्बर 1956	

तृतीय दिवस
(पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)

4. व्याकरण

- परस्पर विरोधी शब्दों का साथ-साथ एक वाक्य में प्रयोग करना।
- बच्चों में लेखन क्षमता का विकास होगा।
- विरोधी शब्दों का साथ-साथ उपयोग करना सीख जाएंगे।

1. <u>विरोधी शब्दों का एक साथ प्रयोग -</u>

- राम लम्बा और श्याम नाटा है।
- उतार-चढ़ाव को हमें झेलना पड़ता है।

इसी तरह और भी अभ्यास कक्षा में कराएँ।

2. <u>संयुक्त वाक्य</u> बनाओ।

जैसे- 1. राम लम्बा है। 2. श्याम नाटा है।
संयुक्त वाक्य-राम लम्बा और श्याम नाटा है। इसी तरह अन्य वाक्य बनाओ।

3. **निम्नलिखित वाक्यों के प्रकार बताओ।**
   1. 15 अगस्त 1947 को भारत आजाद हुआ । (प्रश्न वाचक वाक्य)
   2. क्या बच्चे कक्षा में पढ़ रहे हैं? (विधि वाचक वाक्य)
   3. तुम स्कूल क्यों नहीं आए थे ? (आदेशात्मक)

4. यह कौन-सा वाक्य है –

क्र.	वाक्य	प्रकार
1.	मैं तुम्हें अपनी कॉपी नहीं दूँगा।	.....
2.	कल से तुम रोज स्कूल जाओगे।	.....
3.	तुम स्कूल क्यों नहीं आए थे?	.....

चतुर्थ दिवस (पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)		
5. सोचो और बताओं	• बच्चों में कल्पना शीलता का विकास होगा।	यदि बाबा अम्बेडकर ने "बहिष्कृत भारत" नामक समाचार पत्र न निकाला होता तो, क्या होता?
6. महापुरूषों के जीवन की विशेषताओं पर चर्चा करना।	• बच्चे महापुरूषों के संघर्ष से परिचित होंगे। • उनमें जीवन मूल्यों का विकास होगा।	महापुरूषों के संघर्षो व जीवन मूल्यों से बच्चों का परिचय कराना। अभिनय-बच्चों को महात्मा गाँधी, विवेकानन्द, झाँसी की रानी आदि का अभिनय करने एवं उनसे संबंधित दो वाक्य बोलने को कहें। जैसे-झाँसी की रानी-झाँसी मेरी है, मैं उसे लेकर रहूँगी।

पंचम दिवस

आकलन

1. निम्नलिखित वाक्यों के प्रकार बताओ -
   - 15 अगस्त 1947 को भारत आजाद हुआ। (प्रश्न वाचक वाक्य)
   - तुम्हें समाज के कौन से रीति-रिवाज अच्छे नहीं लगते हैं? इन्हें कैसे बदला जा सकता है? कोई एक रीति-रिवाज को उदाहरण सहित स्पष्ट करों।
   - आप अपनी कॉपी में पाँच संयुक्त वाक्य लिखो।

2. दी गई गद्यांश को पढ़कर सही विकल्प पर गोला लगाओ -

जनता बनी राजा

बच्चों ! हर साल 15 अगस्त को विद्यालय में उत्सव मनाते हो। वहाँ खेल-कूद होते हैं। सभा होती है, उसमें तुम गीत गाते हो । बताओ, उस दिन तुम क्यों उत्सव मनाते हो ? इस दिना हमारा देश अँग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ था। इस खुशी में हम उत्सव मनाते हैं। हर साल की 26 जनवरी को भी इसी तरह तुम विद्यालय में उत्सव मनाते हो, सभा करते हो। जानते हो इस दिन का महत्व ! आओ, हम तुम्हें बताते हैं

15 अगस्त, 1947 को हमारा देश स्वतंत्र तो हो गया, लेकिन हम जैसा राज्य चाहते थे, वैसा अभी हमें नहीं मिला था। हम चाहते थे कि देश में जनता का राज्य हो। जनता के द्वारा चुनी गई सरकार हो। ऐसी सरकार को गणतंत्रात्मक सरकार कहते हैं। ऐसी सरकार चलाने के लिए हमें नियम चाहिये थे। अभी तक अँग्रेजों के द्वारा बनाए गए नियमों के आधार पर सरकार चल रही थी। स्वराज्य मिल जाने पर अपने नियम बनाना जरूरी हो गया। नये नियम कड़े परिश्रम के बाद एक समिति ने बनाए। इससे भारत का संविधान बना। 26 जनवरी 1950 को देश में नया संविधान लागू हुआ और नई सरकार बनी। देश का सबसे बड़ा अधिकारी राष्ट्रपति बनाया गया। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद हमारे पहले राष्ट्रपति बने। यहीं से जनता का राज्य शुरू हुआ।

यों तो 26 जनवरी को सारे देश में उत्सव मनाया जाता है, लेकिन दिल्ली में तो यह उत्सव बड़ी ही शान-शौकत से मनाया जाता है। आओ, इसकी कुछ झलकियाँ तुम्हें दिखाएँ।

यह उत्सव राष्ट्रपति भवन के आस-पास मनाया जाता है। राष्ट्रपति भवन की अद्भुत सजावट की जाती है। राष्ट्रपति जी बग्घी में बैठकर आते हैं। प्रधानमंत्री तथा मंत्रिगण उनका स्वागत करते हैं।

राष्ट्रपति जी सेना की टुकड़ियों की सलामी लेते हैं। थल सेना की टुकड़ी, वायु सेना की टुकड़ी, जल सेना की टुकड़ी राष्ट्रपति जी को सलामी देती हैं। वायु सेना के वायुयान ऊपर से राष्ट्रपति जी के ऊपर फूलों की वर्षा करते हैं।

राज्यों की झाँकियाँ निकलती हैं। हर एक राज्य अपनी-अपनी झाँकी में अपने राज्य के विकास को दर्शाता है। छत्तीसगढ़ राज्य के लोकनृत्य, लोकगीत की झाँकी भी निकलती है।

देश के दस बहादुर बच्चों को हाथी पर बैठाकर राष्ट्रपति जी के सामने सलामी देते हुए निकाला जाता है। देश भर से लाखों लोग गणतंत्र दिवस की परेड देखने यहाँ आते हैं। सारा भारत इस दिन दिल्ली में उमड़ आता है।

- सही विकल्प चुनकर गोला लगाओ -

1. गणतंत्रात्मक सरकार कहते है -
   (अ) जनता द्वारा चुनी गई सरकार
   (ब) पार्टी द्वारा चुनी गई सरकार
   (स) विशेष लोगों द्वारा चुनी गई सरकार
   (द) विभिन्न दलों की सरकार
2. 26 जनवरी 1950 को क्या हुआ था ?
   (अ) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पहले राष्ट्रपति बने
   (ब) देश में नया से विधान लागू हुआ
   (स) देश आजाद हुआ था
   (द) देश में पहल बार तिरंगा झंडा फहराया गया
3. संविधान बनाया गया -
   (अ) सरकार बनाने के लिए
   (ब) 26 जनवरी मनाने के लिए
   (स) देश को सुचारू रूप से चलाने के लिए
   (द) राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्री आदि चुनने के लिए
4. स्वतंत्रता पूर्व हमारे देश में -
   (अ) सेना की टुकड़ियों की सलामी लेते है
   (ब) प्रधानमंत्री
   (स) उपराष्ट्रपति
   (द) राष्ट्रपति
5. गणतंत्र दिवस पर प्रत्येक राज्य अपनी झाँकी निकालता है -
   (अ) अपने राज्य के विकास को दर्शाने के लिए
   (ब) दिल्ली की परेड में शामिल होने के लिए
   (स) राष्ट्रपति के सामने प्रदर्शन के लिए
   (द) पुरस्कार पाने के लिए

टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।

पाठ 25

चमत्कार

लर्निंग आउटकम्स	**LH501, LH502, LH503, LH504, LH506, LH507, LH508, LH509, LH510,LH511, LH516**

गतिविधि	गतिविधि क्यों करें ?	गतिविधि कैसे करें ?
प्रथम दिवस		
1. पाठ के शीर्षक एवं पूर्व ज्ञान पर चर्चा	• बच्चे पाठ के विषय में अनुमान लगा पाएंगे।	क्या आपको पता है आज भी लोग बीमार होने / साँप, बिच्छु के काटने /हड्डी टूटने पर डाक्टर के पास व ...साधु महात्माओं/बैगा के पास जाते है, • क्या तुमने इस तरह की घटना कही, सुनी या देखी है। • क्या तुम इस बात से सहमत हो, यदि हाँ तो क्यों और नहीं तो क्यों नहीं। • आज हम चमत्कार पाठ के अंतर्गत इसी प्रकार के ढोंगी बाबा द्वारा बताए गए चमत्कार के पोल खोलने के बारे में पढ़ेगे।
2. पाठ का सारांश	• पाठ का सारांश बताने से नाटक समझ में आ जाएगा, जिससे बच्चे पात्र बनकर उसका वाचन कर पायेंगे।	• शिक्षक पाठ का सारांश बतावें। सारांश बताते समय पात्र अनुसार संवाद बोले व अनुमान लगाने में प्रश्न भी पूछें, जैसे- जतिन की माँ रोते हुए, स्वामी के पास क्यों आई होगी।
द्वितीय दिवस (प्रथम दिवस की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)		
3. अभिनय करें	• बच्चे अभिनय करना सीखेंगे। • पाठ पर समझ बनेगी। • अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।	• शिक्षक, नाटक में दिए गए पात्र अनुसार बच्चों को अभिनय करने कहें। बच्चे अपने-अपने पात्र अनुसार अभिनय करें।
4. पाठ पर चर्चा	• पाठ पर चर्चा करने से पाठ की समझ बन पायेंगी। • स्वामी जी ने ऐसा क्यों किया कि मैं अपनी मंत्र शक्ति का प्रदर्शन करूँगा। लेकिन सबसे पहले एक बार जोर से तालियाँ बजाईये।	प्रशिक्षण अभिनय उपरांत पाठ पर बच्चों की जितनी समझ बनी हो यह जानने के लिए प्रश्न पूछें- • इस नाटक के मुख्य पात्र कौन-कौन हैं? • इस नाटक में आपको सबसे अच्छा पात्र कौन-सा लगा और क्यों? • इस नाटक के माध्यम से क्या किया गया है ?

		• जतिन की माँ अपने बेटे के इलाज के लिए स्वामी के पास लेकर गई, क्या आप इसे सही मानते हो, हाँ तो क्यों और नहीं तो क्यों नहीं ?
तृतीय दिवस **(पूर्व की गतिविधियों की पुनरावृत्ति के बाद)**		
5. सोचो और बताओं	• बच्चों में कल्पना शीलता का विकास होगा।	• शिक्षक या अन्य लोगों से चर्चा कर पता करो कि कविता/कहानी/नाटक/गद्य में क्या अंतर है:- **कविता** | **कहानी** | **नाटक** | **गद्य**
6. व्याकरण	• बच्चे संबोधन बहुवचन का प्रयोग करना सीख पायेंगे।	• संबोधन करते समय बहुवचन के शब्दों में अनुनासिक का प्रयोग नहीं होता है। केवल अंतिम अक्षर के ओ से ही काम हो जाता है। • उदाहरण- लड़कों मैदान में खेलो को संबोधित किया जा रहा हो। • अतः लड़कों में बिंदी नहीं लगेगी। सही वाक्य है:- • लड़को मैदान में खेलों, इस तरह के दिए गए वाक्यों को सही कर लिखो- • बच्चों आज कक्षा की छुट्टी है। • मित्रों हम सब कल पिकनिक जायेंगे। • भाइयों और बहनों सभी का मेरा नमस्कार।
चतुर्थ दिवस		

आकलन

- लोगों को वर्गों से सावधान करने के लिए जागरूकता स्लोगन लिखिए।

  साँप की कहानी, मोबाइल से जलन है।

- दी गई कहानी को पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर में गोला लगाओ-

एक दिन शाम मुझे मधुमक्खी ने काट खाया | बड़ी जोर से दर्द उठा मुझे दर्द से कहा कराहते देखकर नाना ने सोचा कि मुझे सांप ने काट लिया है। नाना तुरंत दौड़े आए और मेरी उंगली को देखा वहां नीला निशान पड़ चुका था। वह चट मुझे गोद में उठा कर बाहर भागे। भागते-भागते घर से दूर एक झोपड़ी के सामने जाकर रुके वहाँ पहुँचते ही उन्होंने आवाज लगाई। एक बूढ़ा आदमी बाहर आया। वह सांप के काटने का मंत्र जानता था। नाना ने उसे कहा इस बच्चे को सांप ने काट लिया है, इसकी झाड़ फूंक कर दो। उसने मेरी उंगली देखी और बोला चुपचाप बैठो हिलना डुलना मत । फिर पीतल के बर्तन में पानी लाए और मेरे सामने बैठकर मंत्र पढ़ने लगा। मैं चाहता था कि उस बूढ़े को बता दूं कि मुझे सांप ने नहीं मधुमक्खी ने काटा है पर मेरे नाना मुझे कसकर पकड़ रहे और मुझे बोलने ही नहीं दिया जैसे मैं कुछ मुंह खोलता डांट कर कहते चुप। डर के मारे मैं चुप हो जाता। तब

तक मेरे उंगली का दर्द भी जा चुका था। फिर भी मुझे वहां जबरदस्ती बैठकर झाड़-फूंक करवानी पड़ रही थी। कुछ मिनट बाद बूढ़ा आदमी उठा उसने उसी बर्तन के पानी से मेरी उंगली धोई और मुझे पिलाया। उसने मुझे बोलने से मना कर दिया ताकि दवा का पूरा असर हो, फिर वह नाना से बोला जय हो भगवान की अब बच्चा खतरे से बाहर है। अच्छा हुआ आप समय रहते मेरे पास ले आए। बड़े जहरीले सांप ने काटा था। सब लोगों ने बूढ़े के उस अद्भुत इलाज के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद दिया, पर मुझे बहुत अफसोस हो रहा था की सभी लोग उस झाड़-फूंक में इतना विश्वास कर रहे थे। जबकि सच्चाई यह थी कि मुझे सांप ने नहीं काटा था।

1. उंगली पर सीधा निशान पड़ चुका था-

(अ) चोट लगने से (ब) काटने से

(स) साँप के काटने से (द) मधुमक्खी के काटने से

टीप : शिक्षक उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ पाठ में दिए गए अभ्यासों और गतिविधियों को भी कराएँ तथा दीक्षा पोर्टल में पाठ से संबंधित वीडियो भी दिखाएँ।

शिक्षक का अनुभव

गतिविधि क्रमांक 1 - पाठ के शीर्षक एवं पूर्व ज्ञान पर चर्चा

गतिविधि क्रमांक 3 - अभिनय करें

गतिविधि क्रमांक 3 - अभिनय करें

गतिविधि क्रमांक 5 - सोचो और बताओं

क्या आप जानते हैं इकबाल आपसे क्या कह रहा है?

इकबाल आपसे कह रहा है मैं कक्षा में प्रथम आया!

सांकेतिक भाषाः सामान्य परिचय

सांकेतिक भाषा का उपयोग श्रवण बाधित व्यक्ति द्वारा संप्रेषण हेतु किया जाता है। सुनने के अभाव में श्रवण बाधित सांकेतिक भाषा का उपयोग करते हैं। आमतौर पर लोगों की धारणा है कि सांकेतिक भाषा में व्याकरण का अभाव होता है परन्तु यह सही नहीं है, सांकेतिक भाषा में भी व्याकरण है। व्याकरण की दृष्टि से अमेरिकन सांकेतिक भाषा सबसे ज्यादा उन्नत है। अमेरिकन सांकेतिक भाषा फिंगर स्पेलिंग पर निर्भर है तथा वहां सिंगल हैण्डेड फिंगर स्पेलिंग का प्रयोग किया जाता है। इंडियन सांकेतिक भाषा में डबल हैंड़ेड फिंगर स्पेलिंग का प्रयोग किया जाता है। आइये अब हम डबल हैंड़ेड फिंगर स्पेलिंग जाने–

Copyright © 2008 AYUSHI All rights reserved

हम पुस्तक क्यों पढ़ें?

अच्छी पुस्तकें हमारी सर्वोत्तम मित्र हैं। अध्ययन करते समय शैक्षणिक पुस्तकों द्वारा हमें अच्छा शिक्षण प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त बहुत सी ज्ञानप्रद और संस्कारप्रेरक पुस्तकों तथा शास्त्रों का मनुष्य के जीवन-निर्माण में अमूल्य योगदान रहता है। अनुचित पुस्तकों को पढ़ने से व्यक्तित्व पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

✔

सदैव सूचनाप्रद ज्ञानवर्धक तथा धार्मिक पुस्तकें-पत्रिकाएँ पढ़ता है।

शांत और व्यवस्थित स्थान पर बैठकर एकाग्रचित्त हो पुस्तकें पढ़ता है।

पुस्तक के मुख्य अंशों को याद रखने के लिए उचित 'बुकमार्क' का प्रयोग करता है।

पुस्तकें पढ़कर उचित स्थान पर रखता है।

✘

फिल्मी पत्रिकाएँ और स्तरहीन साहित्य पढ़ता है।

अपनी मनमानी करते हुए बैठकर, लेटकर अथवा टहलते अनुचित तरीके से पुस्तक पढ़ता है।

पुस्तकों में लाइन खींच देता, यहाँ-वहाँ व्यर्थ के शब्द लिख देता तथा पन्ने फाड़कर फेंक देता है।

उल्टे-सीधे जहाँ चाहा, वहीं पुस्तकें फेंक देता है।

ENGLISH ALPHABET